License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

2 तिमिथियुस 1:1 (#1)

"पौलुस"

"इस पत्र में उस समय की सामान्य परम्परा का पालन किया गया है, पहले लेखक का नाम और पहचान तदोपरांत प्राप्तिकर्ताओं का उल्लेख (पद 2 में). आपकी भाषा में पत्र के लेखक का परिचय देने का एक अपना ही विशेष तरीका हो सकता है। यदि है तो आप उसको अपने अनुवाद में काम में ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं पौलुस, यह पत्र लिख रहा हूँ"""

2 तिमिथियुस 1:1 (#2)

"परमेश्वर की इच्छा के कारण"" या ""क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि ऐसा हो।"" पौलुस प्रेरित बना क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि वह एक प्रेरित हो।

2 तिमिथियुस 1:1 (#3)

"परमेश्वर की इच्छा"

इसका दो में से एक संभावित अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर ने पौलुस को नियुक्त किया कि वह मनुष्यों को यीशु में जीवन की प्रतिज्ञा के बारे में सुनाए| वैकल्पिक अनुवाद: "घोषणा करने के उद्देश्य के निमित्त" (2) पौलुस प्रेरित हुआ क्योंकि उसने भी यीशु में जीवन की प्रतिज्ञा प्राप्त की थी। वैकल्पिक अनुवाद: ""प्राप्त करने के परिणाम स्वारूप"

2 तीमुथियुस 1:1 (#4)

"जीवन की प्रतिज्ञा"

यहाँ पौलुस एक ऐसे **प्रतिज्ञा** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **जीवन** की प्रतिज्ञा करता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस प्रतिज्ञा के अनुसार जो मसीह यीशु में जीवन को सुनिश्चित करती है"

देखें: स्वामित्व

2 तिमिथियुस 1:1 (#4)

"जीवन की" - "मसीह यीशु"

"पौलुस **जीवन** की चर्चा इस प्रकार करता है कि जैसे वह यीशु के भीतर एक वस्तु है। यह उस जीवन को संदर्भित करता है जिसे लोग मसीह यीशु के हो जाने के परिणामस्वरूप प्राप्त करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: """"उस जीवन का जो हमें मसीह यीशु के हो जाने के परिणामस्वरूप प्राप्त होता है""""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 1:1 (#6)

"उस जीवन की ... जो ... है"

यहाँ पौलुस परमेश्वर के साथ नए, अनन्त **जीवन** का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस अनन्त जीवन की ... जो .... है" या "परमेश्वर के साथ उस नए जीवन की ... जो ... है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 1:1 (#7)

"उस जीवन की ... जो ... है"

यदि आपकी भाषा में **जीवन** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हमेशा जीवित रहने के विषय में, जो लोग मसीह यीशु में प्राप्त करते हैं,"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:2 (#1)

"तीमुथियुस"

"आपकी भाषा में पत्र प्राप्त करने वाले व्यक्ति का परिचय देने का एक विशेष तरीका हो सकता है| यदि है तो, आप अपने

अनुवाद में उसका प्रयोग कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: यह पत्र तेरे लिए है, तीमुथियुस""।"

2 तिमिथियुस 1:2 (#2)

"प्रिय पुत्र"

"पौलुस तीमुथियुस का पिता नहीं था,परन्तु वह **पुत्र** शब्द का उपयोग करके तीमुथियुस के लिए अपना प्रेम और अनुमोदन प्रकट करता है| यह भी संभव है कि पौलुस ने तीमुथियुस को मसीह के विषय में बताया था, और इसी कारण पौलुस उसेअपना आत्मिक पुत्र समझता था। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मेरे प्रिय पुत्र के समान है"" या ""तू मेरे लिए एक प्रिय पुत्र जैसा है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 1:2 (#3)

"प्रिय पुत्र"

मूल भाषा में यह वाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यह सम्बोधनात्मक वाक्यांश के रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक हो कि कार्य किसने किया, तो सन्दर्भ से स्पष्ट है कि यह पौलुस थे। वैकल्पिक अनुवाद: “पुत्र जिसे मैं प्रेम करता हूँ”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:2 (#3)

"ओर से तुझे अनुग्रह" - **"दया शान्ति मिलती रहे"**

"लेखक का और प्राप्तिकर्ता (तीमुथियुस) के नाम प्रकट करने के बाद, पौलुस तीमुथियुस को आशीर्वाद देता है| यहाँ अपनी भाषा का प्रयोग करें जिससे कि पाठक समझ सकें कि यह आशीर्वाद है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू अपने मन में से ... कृपा, दया और शांति का अनुभव पाए"" या ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुझे ... से कृपा, दया और शांति मिले""|

2 तिमिथियुस 1:2 (#2)

"तुझे अनुग्रह" - **"दया शान्ति मिलती रहे"**

"तीमुथियुस को दिए गए पौलुस के आशीर्वाद में ये तीन भाववाचक संज्ञाएँ हैं|आपकी भाषा में इन अवधारणाओं को व्यक्त करने की अपनी विशेष विधि होगी,जैसे क्रिया से| यदि ऐसा है तो आप उनका प्रयोग अपने अनुवाद में कर सकते हैं| देखें यू एस टी

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:2 (#4)

"परमेश्वर पिता" - **"और"**

"यह परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण पदनाम है|यहाँ पौलुस परमेश्वर को मसीह का पिता, या (2)विश्वासियों का पिता, मानता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर जो पिता है""।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

2 तिमिथियुस 1:2 (#3)

"हमारे"

"इस पुस्तक में जब तक अन्यथा देखा न जाए, **हम** और **हमारा** पौलुस (पत्र के लेखक), तिमुथियुस (जिसको पत्र लिखा जा रहाहै), और व्यापकता में सब विश्वासियों के सन्दर्भ में हैं|

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

2 तिमिथियुस 1:3 (#1)

"परमेश्वर की" - **"धन्यवाद"**

"यदि आपकी भाषा में स्पष्ट हो सके तो आप भाववाचक संज्ञा, **धन्यवाद** में निहित विचार को क्रिया शब्द या विशेषण शब्द द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं परमेश्वर को धन्यवाद कहता हूँ"" या ""मैं परमश्वर का आभारी हूँ""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:3 (#1)

"सेवा मैं पूर्वजों" - **"कि"**

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि पौलुस का परिवार अनेक पीढ़ियों से परमेश्वर की सेवा कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसकी सेवा मेरे पूर्वजों ने की और मैं भी कर रहा हूँ""

2 तिमिथियुस 1:3 (#2)

"पौलुस अपने विवेक की बात ऐसे करता है जैसे कि इसे शारीरिक रूप से स्वच्छ किया जा सकता है। एक **शुद्ध विवेक** वाले मनुष्य में अपराध बोध नहीं होता है क्योंकि उसने सदैव ही सदाचारी होने का प्रयास किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह जानते हुए कि मैं ने सदैव उचित काम करने का भरसक प्रयास किया है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:3 (#3)

यहाँ पौलुस स्मरण रखने की क्रिया को भाववाचक संज्ञा, **स्मृति** द्वारा व्यक्त करता है। आपकी भाषा में इस धारणा को व्यक्त करने की कोई विशेष विधि होगी जैसे क्रिया द्वारा| यदि है तो आप उसका प्रयोग अपने अनुवाद में कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद:: “अपनी प्रार्थनाओं में मुझे तेरा स्मरण सदैव ही रहता है|

2 तिमिथियुस 1:3 (#2)

"तुझे"

"**तू** शब्द यहाँ वरन सम्पूर्ण पुस्तक में एकवचन में है क्योंकि पौलुस तीमुथियुस को संबोधित कर रहा है| पद 4:22 में एकमात्र अपवाद है जिस पर टिप्पणी की गई है|

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

2 तिमिथियुस 1:3 (#4)

यहाँ **रात और दिन** का उपयोग रात के सम्पूर्ण समय और दिन के सम्पूर्ण समय को संयोजित करके किया गया है| इसका अर्थ है कि पौलुस परमेश्वर से प्रार्थना करता रहता है, समय चाहे कोई सा भी हो| इसका अर्थ यह नहीं है कि पौलुस चौबीस घंटे अविराम प्रार्थना करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “सदैव” या “हर समय”

देखें: मेरिस्म

2 तिमिथियुस 1:4 (#1)

"तेरे आँसुओं सुधि कर करके" - "की"

"यहाँ अभिप्रेत अर्थ है कि पौलुस उस समय का सन्दर्भ दे रहा है जब वह तीमुथियुस से विदा हो रहा था| यदि यह अशष्ट हो तो आप इस जानकारी को समाहित कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""स्मरण होता है कि जब मैं तुझ से विदा हुआ था तब तू कैसे राया था""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:4 (#1)

"शुद्ध विवेक से करता हूँ"

यहाँ **तेरे आँसुओं** का सन्दर्भ तीमुथियुस के रोने या बहुत अधिक दुखी होने को दर्शाता हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कि तू रोया था"" या ""तेरा दुःख""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 1:4 (#3)

"आनन्द से भर जाऊँ"

"पौलुस स्वयं के विषय में ऐसा कहता है जैसे कि वह एक बर्तन था जिसे कोई **भर** सकता था। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं बहुत आनन्दित हो जाऊं” या “मेरा आनन्द पूरा हो सकता है” या “मुझे असीम आनंद प्राप्त हो"":

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:4 (#2)

"आनन्द से भर जाऊँ"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य क्रिया रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं आनंद से भर जाऊं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 1:4 (#5)

"कि आनन्द से भर जाऊँ"

यदि आपकी भाषा में **आनन्द** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आनन्दित हो जाऊँ”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:5 (#1)

""

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, ""स्मरण करना""

देखें: मुहावरा

2 तिमिथियुस 1:5 (#2)

"तेरे उस निष्कपट विश्वास की है"

"पौलुस तीमुथियुस के **विश्वास** को भाववाचक संज्ञा में व्यक्त करता है| आपकी भाषा में इस धारणा को व्यक्त करने के लिए कोई विशेष विधि होगी, जसे क्रिया द्वारा| यदि है, तो आप उसका प्रयोग अनुवाद में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""कि तू सच्चा विश्वास करता है""

2 तिमिथियुस 1:5 (#1)

"तेरे उस निष्कपट विश्वास की है"

"पौलुस **विश्वास** को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह तीमुथियुस में अन्तर्निहित कोई वास्तु है| पौलुस यहाँ परमेश्वर में तीमुथियुस के विश्वास का संदर्भ दे रहा है, न कि तीमुथियुस में किसी के विश्वास का| वैकल्पिक अनुवाद: ""तेरा सच्चा विश्वास"" या ""तेरा विश्वास जो सच्चा है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:5 (#3)

"पौलुस उनके **विश्वास** के लिए आलंकारिक भाषा का उपयोग करता है कि जैसे वह अन्तर्वासी जीवित वस्तु है और उन सब ""में' वास करती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""...विश्वास जो तुझ में है| तेरी नानी लोइस, और तेरी माता यूनीके भी परमेश्वर में सच्चा विश्वास रखती थीं और अब मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुझ में भी परमेश्वर पर यही सच्चा विश्वास है""।

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:5 (#2)

"यूनीके"

"यह एक स्त्री का नाम है, तीमुथियुस की माता का नाम|

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 1:5 (#4)

यह एक स्त्री का नाम है। तीमुथियुस की नानी, संभवतः उसकी माता की माता

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तीमुथियुस 1:5 (#7)

"मुझे निश्चय हुआ है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे निश्चय है" या "मुझे विश्वास है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:6 (#2)

पौलुस लिखता है,**इसी कारण** तीमुथियुस को अपना वरदान प्रज्वलित करना है,क्योंकि पौलुस को यीशु में तीमुथियुस के विश्वास पर पूर्ण विश्वास था| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसी कारण"" या “मसीह में तेरे निष्कपट विश्वास के कारण”

2 तिमिथियुस 1:6 (#3)

""

""पौलुस तीमुथियुस द्वारा उसके **वरदान** का पुनः उपयोग करने की आवश्यकता को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह आग को फिर से जला रहा हो। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक बार फिर से वरदान का उपयोग करने को अधीर हो जा""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:6 (#1)

"परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ के द्वारा तुझे है"

"पौलुस **वरदान** शब्द का उपयोग ऐसे करता है कि जैसे वह कोई वस्तु है जो तीमुथियुस में अन्तर्निहित है| यदि ये शब्द, **तुझे मिला है** आपकी भाषा में स्पष्ट विचार प्रकट न करें कि

तीमुथियुस को वरदान मिला तो आप देने और लेने के लिए प्रयुक्त क्रिया शब्द के द्वारा अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का वरदान जो मेरे हाथ रखने के द्वारा तुझ को मिला था""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:6 (#2)

"परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ के द्वारा तुझे है"

"यहाँ अभिप्रेत अर्थ यह है कि यह एक आत्मिक वरदान है जो तीमुथियुस को परमेश्वर प्रदत्त सेवा के कार्य को करने में सक्षम बानाता है| तीमुथियुस के सिर पर हाथ रखते समय पौलुस ने उसके लिए प्रार्थना भी की थी|यदि यह सब स्पष्ट न हो तो आप इस जानकारी को अपने अनुवाद में समाहित करना चाहेंगे|

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:6 (#4)

"परमेश्वर के उस वरदान को जो मेरे हाथ के द्वारा तुझे है"

"पौलुस ने तीमुथियुस के सिर पर **हाथ** रखकर प्रर्थना की थी कि परमेश्वर उसको पवित्र आत्मा का सामर्थ्य प्रदान करे कि परमेश्वर ने उसको जिस सेवा के निमित्त बुलाया है, उसे करने में वह सक्षम हो जाए| इस प्रकार तीमुथियुस ने पवित्र आत्मा का वरदान प्राप्त किया था। देखें कि आपने इसका अनुवाद 1 तीमुथियुस 4:14 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का वह वरदान जो तू ने प्राप्त किया था जब मैं ने तेरे लिए प्रार्थना की थी""

2 तिमिथियुस 1:7 (#1)

"क्योंकि"

"यहाँ **क्योंकि** शब्द, पिछले पद में तीमुथियुस को दिए गए पौलुस के निर्देश-तीमुथियुस अपने आत्मिक वरदान का उपयोग करे- का एक और कारण दर्शाता है| यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप **क्योंकि** के स्थान में इस जानकारी को रख सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक और कारण यह है कि मैं क्यों चाहता हूँ कि तू परमेश्वर के उस वरदान का उपयोग करना आरम्भ कर दे ... ."

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

2 तिमिथियुस 1:7 (#1)

"परमेश्वर हमें भय की नहीं पर सामर्थ्य, और प्रेम, और संयम की आत्मा दी है"

"इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) **आत्मा** का सन्दर्भ “पवित्र आत्मा” से हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का पवित्र आत्मा हमारे लिए भय का कारण उत्पन्न नहीं होने देता है। वह हमें सामर्थ्य, प्रेम और संयम के योग्य बनाता है"" या (2) **आत्मा** मनुष्य के चरित्र का सन्दर्भ दे सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: क्योंकि परमेश्वर हमें भयभीत नहीं होने देता परन्तु सामर्थ्य और प्रेम, और संयम देता है।”"""

2 तिमिथियुस 1:7 (#2)

"सामर्थ्य, और प्रेम, और संयम की"

"पौलुस भाववाचक संज्ञाओं के द्वारा तीन बातों का सन्दर्भ देता है जिनके उपयोग में तीमुथियुस को योग्य होना है| आपकी भाषा में इन अवधारणाओं को व्यक्त करने की अपनी ही विशेष विधि होगी,जैसे क्रिया शब्दों के द्वारा| यदि है तो आप उनको अनुवाद में काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह जो हमें आज्ञा मानने, प्रेम करने, और संयम बरतने योग्य बनाता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:7 (#2)

"संयम की"

"**संयम** का अर्थ इन दो में से एक हो सकता हैं: (1) **संयम** इन्द्रियों पर नियंत्रण के सन्दर्भ में हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""आत्मसंयम की क्षमता का"" (2) **संयम** का सन्दर्भ अन्यों को सुधारने या अपने वश में करने से भी हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अन्यों को सुधारने की क्षमता का""।"

2 तीमुथियुस 1:8 (#1)

"इसलिए"

यहाँ **इसलिए** शब्द एक उपदेश को प्रगट करता है जो पौलुस द्वारा पिछले वचन में कही गई बात पर आधारित है, जिसमें भय के बजाए सामर्थ्य, प्रेम, और संयम की बात की गई है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो एक पिछले कथन के आधार पर एक उपदेश प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर" या "चूँकि तेरे पास वह आत्मा है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 1:8 (#2)

"हमारे प्रभु की गवाही से, और मुझसे जो उसका कैदी हूँ, लज्जित न हो"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे प्रभु की गवाही से, और मुझ से जो उसका कैदी हूँ, लज्जित न हो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:8 (#1)

"गवाही से"

"संभव है कि पौलुस **गवाही** शब्द का प्रयोग सन्देश के सन्दर्भ में नहीं वरन मनुष्यों को प्रभु के बारे में सुनाने के सन्दर्भ में कर रहा हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""साक्षी से"" या ""मनुष्यों को सुनाने से""

2 तिमिथियुस 1:8 (#2)

"जो उसका कैदी हूँ"

"पौलुस प्रभु के द्वारा **बंदी** नहीं बनाया गया था| उसको इस कारण बंदी बनाया गया था कि वह प्रभु की गवाही देता था| वैकल्पिक अनवाद: ""उसके नाम के कारण बंदी"" या ""प्रभु के निमित्त बंदी"""

2 तिमिथियुस 1:8 (#3)

""

"मेरे **साथ** इस उक्ति का अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) इसका अर्थ हो सकता है कि तीमुथियुस पौलुस के साथ दुःख उठाए| (2) इसका अर्थ हो सकता है कि तीमुथियुस अन्य सब कष्ट उठाने वाले विश्वासियों के साथ दुःख उठाए|"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:8 (#1)

"सुसमाचार के लिये साथ दुःख उठा"

"यहाँ **सुसमाचार के लिए** का अर्थ है, ""मनुष्यों में यीशु का शुभ सन्देश सुनाने के निमित्त|"" वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों को यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाने के परिणामस्वरुप आने वाले कष्टों को मेरे साथ सहन कर ले"""

2 तिमिथियुस 1:8 (#4)

"उस परमेश्वर की सामर्थ्य के अनुसार सुसमाचार के लिये"

"पौलुस तीमुथियुस को स्मरण कराता है कि मनुष्य को सताया जाता है तो परमेश्वर उसको **सामर्थ्य** संपन्न करता है कि वह पीड़ा सहन कर सके| वैकल्पिक अनुवाद: ""सुमाचार के निमित्त परमेश्वर को तुझे सामर्थी बनाने दे"""

2 तिमिथियुस 1:9 (#1)

"पवित्र बुलाहट से"

"पौलुस इस अभिव्यक्ति,**पवित्र बुलाहट से** का उपयोग करता है जिसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1)इसके द्वारा वर्णन होता है कि बुलाहट का परिणाम क्या है| बुलाहट पवित्र मनुष्य उत्पन्न करती है या मनुष्यों को परमेश्वर के लिए पृथक करती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें ऐसी बुलाहट से बुलाया जो हमें परमेश्वर के निमित्त पवित्र होने के लिए पृथक करती है"" या (2) इसके द्वारा बुलाहट के स्रोत अर्थात परमेश्वर का वर्णन किया गया है कि वह पवित्र है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हमें अपनी ही पवित्र बुलाहट के माध्यम से बुलाया है""

2 तिमिथियुस 1:9 (#1)

"यह हमारे कामों के" - **"नहीं;"** - **"अनुसार"**

"यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ करना सहायक होगा| यदि आप स्पष्टता हेतु एक नया वाक्य आरम्भ करते हैं तो हो सकता है कि आपको पिछले उपवाक्य से कुछ शब्दों को दोहराना होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने हमारे कर्मों के कारण हमारा उद्धार नहीं किया है और न ही हमको बुलाया है"""

2 तिमिथियुस 1:9 (#3)

"अनुसार" - **"पर अपनी मनसा उस अनुग्रह के"**

"यहाँ **उद्देश्य और उस अनुग्रह** दोनों के संयोजित उपयोग का अर्थ है, ""कृपालु उद्देश्य|""पौलुस कह रहा है, हमारे लिए परमेश्वर के उद्देश्य या योजना में है कि मसीह यीशु के द्वारा हम पर अनुग्रह या दया प्रकट की जाए| वैकल्पिक अनुवाद: ""परन्तु उसके कृपालु उद्देश्य के कारण"" या ""परन्तु क्योंकि उसने हमें दया दिखाने की योजना बनाई है""

2 तिमिथियुस 1:9 (#2)

"उस अनुग्रह के" - "मसीह यीशु में" - "हम पर हुआ"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""और परमेश्वर ने हमें मसीह यीशु में जो अनुग्रह प्रदान किया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:9 (#4)

"मसीह यीशु में"

"पौलुस परमेश्वर के **उद्देश्य और उस अनुग्रह** या ""कृपालु उद्देश्य"" को आलंकारिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह **मसीह यीशु** में अन्तर्निहित कोई वास्तु हो| इसका संदर्भ मनुष्य के उद्धार की परमेश्वर की योजना से है जिसको यीशु ने पूरा किया| अतः जब मनुष्य यीशु के साथ सम्बन्ध बनाते हैं,तब परमेश्वर उनको मुक्ति दिलाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु के साथ हमारे सम्बन्ध के द्वारा""

2 तिमिथियुस 1:9 (#5)

""

"यह एक मुहावरा है जिसका संकेत है कि परमेश्वर ने समय से पहले, जगत की उत्पत्ति से पहले ही मसीह में विश्वास के द्वारा उद्धार करने का निर्णय ले लिया था| वैकल्पिक अनुवाद: 'समय के आरम्भ से पूर्व""

2 तिमिथियुस 1:10 (#1)

"पर अब" - "प्रगट होने के"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को प्रकट करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसको अब परमेश्वर ने प्रकट कर दिया है"" या ""जिसको जानने के लिए अब परमेश्वर ने मनुष्यों को योग्य बना दिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:10 (#1)

""

"हमारे उद्धार के निमित्त परमेश्वर की कृपालु योजना को पौलुस इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह कोई वस्तु हो जिसका अनावरण किया जा सकता है और मसीह यीशु के आगमन के द्वारा मनुष्यों को दिखाई जा सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “और जिसको अब मनुष्य जान सकते हैं"" या ""जिसका अब मनुष्य अनुभव कर सकते हैं""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 1:10 (#3)

"जिसने मृत्यु का नाश किया"

यदि आपकी भाषा में **मृत्यु** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस ने मरे हुए लोगों को अब मरे हुए रहने नहीं दिया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:10 (#3)

""

"पौलुस **जीवन और अमरता** को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वे वस्तुएं हों जिनको अन्धकार से उजियाले में लाया जा सकता है कि मनुष्य उनको देख पाए| वह आलंकारिक भाषा में किसी बात के प्रकाशन या मनुष्य के लिए बोधगम्य होने को व्यक्त कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सुसमाचार के माध्यम से जीवन और अनश्वरता का अनावरण कर दिया"" या """"सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरत्व की घोषणा कर दी""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:10 (#2)

"जीवन और अमरता को"

"यहाँ **जीवन और अमरता** एक साथ ""अविनाशी जीवन"" का भाव प्रकट करते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अनंत जीवन"" या ""अविनाशी जीवन""

देखें: हेंडियाडिस

2 तीमुथियुस 1:10 (#6)

"जीवन और अमरता"

जीवन और **अमरता** दोनों शब्द एक ही विचार को व्यक्त करते हैं। **अमरता** शब्द यह बताता है कि पौलुस किस प्रकार के **जीवन** के विषय में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इस अर्थ को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अविनाशी जीवन”

देखें: द्विपद

2 तीमुथियुस 1:10 (#7)

"जीवन"

यहाँ पौलुस परमेश्वर के साथ नए, अनन्त जीवन का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनन्त जीवन” या “परमेश्वर के साथ नया जीवन”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 1:11 (#1)

"जिसके लिये"

यहाँ **जिसके** सर्वनाम पिछले वचन में "सुसमाचार" की ओर संकेत करता है। यदि आपके पाठकों के लिये यह स्पष्ट नहीं है, तो आप "सुसमाचार" का अधिक प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस सुसमाचार के लिये"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

2 तिमिथियुस 1:11 (#1)

"मैं प्रचारक," - **"भी ठहरा"**

"यदि आपकी भाषा में अकर्मक क्रिया रूप नहीं है तो आप सकर्मक रूप के प्रयोग द्वारा इसी विचार को प्रकट कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मुझे शुभ सन्देश वाहक होने केलिए चुन लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 1:11 (#1)

"प्रचारक"

"**प्रचारक** वह मनुष्य होता है जिसको किसी सन्देश की घोषणा करने के लिए भेजा जाता है| यदि आपकी भाषा में समरूप शब्द न हो और आपके पाठक जानते न हों कि **प्रचारक** कौन है तो आप एक सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक संदेशवाहक""

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

2 तिमिथियुस 1:11 (#2)

"प्रचारक"

"पौलुस स्वयं को **प्रचारक** कहता है क्योंकि परमेश्वर ने उसको सुसमाचार के सन्देश की घोषणा करने हेतु भेजा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""एक प्रचारक""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:12 (#1)

"इस कारण मैं"

"पौलुस प्रेरित होने के अपने पद का सन्दर्भ देते हुए अपने कष्टों का **कारण** प्रकट करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि मैं एक प्रेरित हूँ"""

2 तिमिथियुस 1:12 (#2)

"इन दुःखों को भी"

"पौलुस अपने **कष्टों** की **बातें** स्पष्ट नहीं बताता है परन्तु पत्र के प्रकरण से अभिप्राय निकलता है कि वह बंदी होने के कष्टों का सन्दर्भ दे रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं एक बंदी होने के कारण भी कष्ट उठा रहा हूँ""

2 तीमुथियुस 1:12 (#3)

"लजाता नहीं"

मूल भाषा में यह वाक्य निष्क्रिय रूप में लिखा गया है जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यह वाक्य सक्रिय रूप में लिखा गया है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि कार्य कौन करेगा, तो सन्दर्भ से यह स्पष्ट है कि यह वही बातें होगी जिनसे पौलुस पीड़ित हो रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे लज्जित नहीं करता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 1:12 (#4)

"जिस पर"

सर्वनाम **जिस** का सन्दर्भ हो सकता है: (1) सामान्य रूप से परमेश्वर के लिये। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जिनमें" (2) विशेष रूप से यीशु के लिये। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु, जिनमें"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

2 तिमिथियुस 1:12 (#3)

""

"पौलुस कहता है कि उसको पूर्ण विश्वास है कि परमेश्वर अंत में सब कुछ ठीक कर देगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे निश्चय है"""

2 तिमिथियुस 1:12 (#1)

"मेरी धरोहर की"

"**मेरी** शब्द में निहित विचार है कि यह **धरोहर** किसी न किसी प्रकार पौलुस से संलग्न है| यह विशिष्ट संलग्नता निर्भर करती है कि हम इस धरोहर को क्या मानते हैं| इसकी दो संभावनाएं हैं: (1) यह धरोहर पौलुस से संलग्न है क्योंकि यह पौलुस का जीवन है या यीशु में पौलुस का विश्वास है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके प्रति मेरी निष्ठा"" या (2) यह धरोहर पौलुस से संलग्न है क्योंकि यह उसके द्वारा प्रचार किया जाने वाला सुसमाचार का सन्देश है|□□□ैकल्पिक अनुवाद: ""वह सुसमाचार जो उसने प्रचार करने के लिए मुझे सौंपा है""

देखें: स्वामित्व

2 तिमिथियुस 1:12 (#4)

""

"पौलुस एक व्यक्ति के रूपक का प्रयोग कर रहा है जो एक वस्तु को किसी दूसरे व्यक्ति के पास छोड़कर जाता है जिससे अपेक्षा की जाती है कि वह सकी रक्षा तब तक करे है जब तक कि वह उसे पहले व्यक्ति को फिर से न सौंप दे। यहाँ यीशु और पौलुस वे दो व्यक्ति हैं परन्तु स्पष्ट नहीं है कि **धरोहर** किसके पास है| अतः इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) पौलुस यीशु पर विश्वास करता है कि वह पौलुस द्वारा सौंपी गई धरोहर को सुरक्षित रखेगा| यह पौलुस का अपना जीवन हो सकता है, या अधिक विशिष्टता में, पौलुस आजीवन यीशु का निष्ठावान बना रहेगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे उसका निष्ठावान बनाए रखेगा"" (2) पौलुस यीशु पर भरोसा रखता है कि वह उस सुसमाचार को सुरक्षित रखेगा जो उसने पौलुस को सौंपा है कि पौलुस उसका प्रचार करे। वैकल्पिक अनुवाद: ""उसके सन्देश का प्रचार करते रहने में मेरी सहायता करेगा""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:12 (#5)

"उस दिन"

"यह उस **दिन** के सन्दर्भ में है जब यीशु न्याय करने आएगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""न्याय का दिन""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 1:13 (#1)

"अपना आदर्श बनाकर रख"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि वे चाहते हैं कि तीमुथियुस **खरी बातों** के मूल स्वरूप और तत्व को बनाए रखें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके स्वरुप को ... संभाले रख" या "उनके मुख्य तत्व को ... सुरक्षित रख"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:13 (#1)

""

"पौलुस चाहता है कि तीमुथियुस उन बातों की शिक्षा दे जो उसने उसको सिखाई है और इस प्रकार उसके उदाहरण का

अनुसरण करे| **खरी बातें**,इस आलंकारिक भाषा का अर्थ है, ""उचित सन्देश"", एतद्द्वारा, ,शुद्ध बुद्धी से अंतर्ग्रहण किया जा सकता है कि उचित सन्देश तर्कसम्मत है| वैकल्पिक अनुवाद: ""एकमात्र उचित सन्देश""

2 तिमिथियुस 1:13 (#1)

"खरी बातें"

"पौलुस **बातें** शब्द का लाक्षणिक प्रयोग करता है कि विश्वासियों के सच्चे विश्वास को शब्दों में व्यक्त करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""सिद्ध सन्देश""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 1:13 (#2)

"उनको उस विश्वास और प्रेम के साथ मसीह यीशु में है"

"पौलुस दो भाववाचक संज्ञाओं, **विश्वास** और **प्रेम** के द्वारा उन कार्यों का संदर्भ देता है जो तीमुथियुस के लिए करना आवश्यक हैं|आपकी भाषा में इन अवधारणाओं को व्यक्त करने के लिए विधि विशेष होगी, जैसे क्रिया शब्द| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु में विश्वास करना और मनुष्यों से प्रेम करना क्योंकि तू उसका है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:13 (#2)

""

"यहाँ **प्रेम** का अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) तीमुथियुस का मनुष्यों के प्रति प्रेम प्रदर्शन| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु में विश्वास करना और मनुष्यों से प्रेम करना क्योंकि तू उसका है"" (2) तीमुथियुस द्वारा परमेश्वर से प्रेम| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु में विश्वास करना और उससे प्रेम करना"""

2 तिमिथियुस 1:13 (#3)

"मसीह यीशु में है"

"पौलुस **विश्वास और प्रेम** को ऐसे व्यक्त करता है जैसे **मसीह यीशु** में अन्तर्निहित वस्तुएं हों| इसका सन्दर्भ उस विश्वास और प्रेम से है जिसके योग्य यीशु हमें बनाता है जब हम उसके हो जाते हैं| देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:9 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु के साथ हमारे सम्बन्ध के द्वारा हमारा""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:14 (#1)

"इस अच्छी धरोहर की"

"यहाँ **अच्छी धरोहर** का सन्दर्भ सुसमाचार के सन्देश से है जो परमेश्वर ने पौलुस को सौंपा है कि उसके लोगों के साथ साझा करे""

2 तिमिथियुस 1:14 (#3)

"पवित्र आत्मा के द्वारा"

"यहाँ **द्वारा** का अर्थ है,""के माध्यम से"" या ""के सामर्थ्य से"" वैकल्पिक अनुवाद: ""पवित्र आत्मा के माध्यम से"" या ""पवित्र आत्मा की सहायता से"""

2 तिमिथियुस 1:14 (#2)

"रखवाली कर"

"तीमुथियुस को सुसमाचार की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि लोग उसका विरोध करेंगे और उसकी बातों तथा शिक्षाओं को विकृत करेगे अर्थात उसके सन्देश को ही बदल देंगे| वैकल्पिक अनुवाद: ""अच्छी धरोहर को उन लोगों से बचा कर रखना जो उसको विकृत करने का प्रयास करेंगे"" या ""क्योंकि लोग सुसमाचार के सन्देश को विकृत करने का प्रयास करेंगे इसलिए उसकी रक्षा कर""

2 तीमुथियुस 1:15 (#1)

"तू (यह) जानता है, कि"

मूल भाषा में यहाँ "यह" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **यह** शब्द सीधे **आसियावाले सब मुझसे फिर गए हैं** वाक्यांश की ओर संकेत करता है। पौलुस ने इस विचार को इस तरह से व्यक्त किया क्योंकि यह उनकी भाषा में प्रभावशाली था। यदि किसी व्यक्ति द्वारा कही जाने वाली बात को दर्शाने के लिये **यह** शब्द का प्रयोग करना आपकी भाषा में अनावश्यक होगा, तो आप अनावश्यक जानकारी को छोड़ सकते हैं और अभिव्यक्ति को किसी अन्य तरीके से प्रभावशाली बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू निश्चित रूप से जानता है, कि"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

2 तिमिथियुस 1:15 (#1)

"आसियावाले सब"

"**सब** शब्द का अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) पौलुस ने संभवतः **सब** शब्द का उपयोग ""सब नहीं,कुछ"" के लिए किया था क्योंकि तीमुथियुस और उनेसिफुरुस ने उसका साथ नहीं छोड़ा था| अतः यह अतिशयोक्ति होगी| (2) पौलुस ने संभवतः **सब** शब्द का उपयोग उन लोगों के लिए किया जो एशिया माईनर से उसके साथ रोम आए थे| वैकल्पिक अनुवाद: ""सब जो मेरे साथ एशिया से आए थे""

देखें: अतिशयोक्ति

2 तीमुथियुस 1:15 (#3)

"आसियावाले"

यहाँ **आसियावाले** शब्द का सन्दर्भ हो सकता है: (1) वे विश्वासी जो **आसिया** में रह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आसिया में रहने वाले विश्वासी" (2) वे विश्वासी जो **आसिया** के थे परन्तु पौलुस के साथ थे जहाँ वह कैद में था, जो सम्भवतः रोम था। वैकल्पिक अनुवाद: "आसिया से आए हुए विश्वासी" या "वे सब जो मेरे साथ आसिया से आए थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:15 (#1)

"मुझसे फिर गए हैं"

यह एक रूपक है जिसका अर्थ है कि उन्होंने पौलुस की सहायता करना बन्द कर दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे अकेला छोड़ दिया है"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:15 (#3)

"मुझसे फिर गए हैं"

"पौलुस मान कर चल रहा है कि तीमुथियुस को जानकारी होगी कि एशिया के विश्वासियों ने उसका साथ छोड़ दिया था क्योंकि अधिकारियों ने उसको बंदीगृह में डाल दिया था| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसको

स्पष्ट कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे छोड़ दिया है क्योंकि मैं बंदीगृह में हूँ""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:15 (#2)

"फूगिलुस और हिरमुगिनेस"

यह एक पुरुष का नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 1:16 (#1)

"उनेसिफुरूस घराने पर प्रभु दया करे"

"पौलुस परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि वह उनेसिफुरुस को आशीष दे| आप इसको आशीष या प्रार्थना कह सकते हैं, आपकी भाषा में जो भी अधिक व्यावहारिक हो| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु उनेसिफुरुस के परिवार पर दया करे"" या ""प्रभु उनेसिफुरुस के परिवार को आशीष दे""

देखें: आशीर्वाद

2 तीमुथियुस 1:16 (#2)

"प्रभु दया करे"

यदि आपकी भाषा में **दया** के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु दयालु हों"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 1:16 (#1)

"उनेसिफुरूस"

यह एक पुरुष का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 1:16 (#2)

"घराने पर"

"**घराने** शब्द का सन्दर्भ **उनेसिफुरुस** तथा उसके कुतुम्ब के सब सदस्यों से है जिनमें उसके सेवक-सेविकाएँ भी हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""उनेसिफुरुस और उसके साथ रहने वाले हर एक जन पर""

2 तिमिथियुस 1:16 (#3)

"मेरी जंजीरों से लज्जित न हुआ"

"**जंजीर** यहाँ बंदीगृह में होने के सन्दर्भ में है। उनेसिफुरुस लजाता नहीं था कि पौलुस के बंदीगृह में है, वह निरन्तर उससे मिलने आया करता था। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे बंदी होने से वह लज्जित नहीं था" या ""मेरे बंदीगृह में होने से उसको लज्जा नहीं आती थी"" या ""वह मुझ से लज्जित नहीं था यद्यपि मैं बंदीगृह में था""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 1:17 (#1)

"पर"

"यहाँ **परन्तु** शब्द द्वारा पिछले पद और इस पद में विषमता दिखाई गई है| पौलुस के बंदीगृह में होने से लजाने की अपेक्षा उनेसिफुरुस ने पौलुस को खोजा और उसको वहाँ पाया| आपकी भाषा में विषमता को दर्शने के लिए जो भी रूप अधिक व्यावहारि हो उसका प्रयोग यहाँ करें|

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

2 तीमुथियुस 1:17 (#2)

"रोम में"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य यह हैं कि वे **रोम** में बन्दीगृह में थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रोम में, जहाँ मैं हूँ,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 1:18 (#1)

"प्रभु कि उस दिन उस पर प्रभु दया हो)। और जो-सेवा उसने इफिसुस में की तू भली भाँति जानता है"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इन वाक्यों के क्रम को विपरीत कर सकते हैं,क्योंकि दूसरा वाक्य पहले वाक्य के कार्य का कारण दर्शा रहा है|देखें यूं एस टी.

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

2 तिमिथियुस 1:18 (#1)

""

"पौलुस एक बार और प्रभु से विनती करता है कि वह उनेसिफुरुस पर **दया करे**| आप इसको आशीर्वाद या प्रार्थना के रूप में दर्शा सकते हैं,आपकी भाषा में जो भी अधिक स्वाभाविक हो! देखें कि आपने इसका अनुवाद 1:16 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु उनेसिफुरुस पर दया करे"" या ""प्रभु उनेसिफुरुस पर दया करे!""

2 तिमिथियुस 1:18 (#2)

""

"पौलुस **दया** का वर्णन इस प्रकार करता है जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे पाया जा सकता है। पौलुस अपनी मनोकामना प्रकट कर रहा है कि परमेश्वर न्याय के दि उनेसिफुरुस पर **दया** करे|वैकल्पिक अनुवाद: ""प्रभु से दया प्राप्त करे!""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 1:18 (#2)

"प्रभु" - "उस पर प्रभु दया हो"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप **उसके** के स्थान में ""उन्सिफुरुस"" लिख सकते हैं कि स्पष्ट हो कि कौन दया का पात्र है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उनेसिफुरुस प्रभु की दया का पात्र हो!""

देखें:

2 तिमिथियुस 1:18 (#3)

""

"**उस दिन** का सन्दर्भ परमेश्वर द्वारा सब मनुष्यों के न्याय के दिन से है, उस दिन वे प्रभु की दया के पात्र होंगे, या क्जैरोध के भागी होंगे, जैसा पौलुस कहता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""न्याय के दिन""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 1:18 (#4)

"कि" - "सेवा उसने इफिसुस में" - "तू भली भाँति जानता है"

"पौलुस तीमुथियुस को स्मरण कराता है कि उन्सिफुरुस ने पहले भी उसकी सहायता की थी जब वह इफिसुस में था| यही कारण है कि पौलुस प्रभु से उनेसिफुरुस के लिए आशीष की प्रार्थना करता है क्योंकि उसने अनेक बार उसकी सहायता की है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तू तो भलीभांति जानता है कि उसने मेरी पहले भी कितनी सहायता की थी जब मैं इफिसुस में था""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:1 (#1)

"इसलिए ... तू"

यहाँ **इसलिए** शब्द परिचय दे सकता है: (1) 1:15–18 से एक अनुमान। इस विषय में, पौलुस चाहते हैं कि तीमुथियुस फूगिलुस और हिरमुगिनेस के समान नहीं, परन्तु उनेसिफुरूस के समान आचरण करें। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों के समान जिन्होंने मुझे नहीं त्यागा, ... तू भी” या “फूगिलुस और हिरमुगिनेस के विपरीत, ... तू” (2) अधिकांश या पूरे 1 अध्याय से निकाला गया एक निष्कर्ष। वैकल्पिक अनुवाद: “इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, ... तू” (3) तीमुथियुस को एक और उपदेश जो किसी विशेष बात पर आधारित नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: “अब ... तू”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 2:1 (#2)

"मेरे पुत्र"

"यहाँ “पुत्र” बड़े प्रेम और अनुमोदन का शब्द है। तीमुथियुस पौलुस का सांसारिक पुत्र नहीं था| यह भी संभव है कि तीमुथियुस को पौलुस द्वारा मसीह में लाया गया था, और इसी कारण पौलुस उसे अपने पुत्र तुल्य मानता था। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मेरे पुत्र के समान है”

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:1 (#1)

"बलवन्त हो जा"

"आप इसको कर्तृवाच्य रूप में रख सकते है और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर तुझे सामर्थ्य प्रदान करे!""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:1 (#3)

"उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवन्त हो जा"

"पौलुस चाहता था कि तीमुथियुस उस सामर्थ्य का अनुभव प्राप्त करे जिसको परमेश्वर अपने **अनुग्रह** या कृपा से उपलब्ध कराता है| विश्वासी मसीह यीशु को जानकार परमेश्वर के अनुग्रह का अनुभव प्राप्त करते हैं| यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा,**अनुग्रह** में निहित विचार को विशेषण द्वारा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “ जब तू मसीह यीशु के साथ अपने सम्बन्ध के माध्यम से उसको बड़ी दया से तुझे बलवंत बनाने देता है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:1 (#5)

"उस अनुग्रह से"

यहाँ शब्द **से** परिचय दे सकता है: (1) वह परिस्थिति जिसमें तीमुथियुस **बलवन्त** होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तू उस अनुग्रह का अनुभव करे जो" (2) वह रीति जिससे तीमुथियुस **बलवन्त** होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रह के द्वारा जो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:1 (#6)

"जो मसीह यीशु में है"

यहाँ पौलुस स्थानिक रूपक **मसीह यीशु में** का उपयोग विश्वासियों की मसीह यीशु के साथ एकता का वर्णन करने के लिये करते हैं। इस विषय में, **मसीह यीशु में** होना, या **मसीह यीशु** के साथ एक हो जाना, वह रीति है जिससे तीमुथियुस को **अनुग्रह** दिया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि **अनुग्रह** तीमुथियुस को **मसीह यीशु** के साथ उनकी एकता के भाग के रूप में दिया गया है। वैकल्पिक

अनुवाद: “जो मसीह यीशु के साथ एकता में दिया गया है,” या “जो तेरे पास है क्योंकि तू मसीह यीशु के साथ एक हुआ है,”

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:2 (#1)

"बहुत गवाहों के सामने"

"यहाँ पौलुस सार्वजनिक शिक्षा का सन्दर्भ दे रहा है जहाँ अनेक अन्य लोग उपस्थित होते हैं| कहने का अभिप्राय यह है, वे अन्य जन तेरे द्वारा दी गई शिक्षा के साक्षी हों| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों की उपस्थिति में कि वे मेरे वचनों के गवाह हों""

2 तिमिथियुस 2:2 (#2)

""

पौलुस तीमुथियुस को दिए गए अपने निर्देशनों का आख्यान ऐसे करता है जैसे कि वे वस्तुएँ हों जिन्हें तीमुथियुस दूसरे लोगों को दे सकता है और इनका उचित रीति से उपयोग करने के लिए उन पर भरोसा कर सकता था। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें सौंप दें” या “उन्हें सिखा दें”

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:2 (#1)

"मनुष्यों को"

"यहाँ **पुरुष** शब्द व्यापक भाव में है जिसमें स्त्रियाँ भी समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: "" लोग""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

2 तिमिथियुस 2:3 (#1)

"मेरे साथ दुःख उठा"

"**साथ** शब्द का अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) इसका अर्थ हो सकता है कि तीमुथियुस पौलुस के साथ दुःख उठाए| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे साथ दुःख उठा"" (2) तीमुथियुस के लिए इसका अर्थ हो सकता है कि वह अन्य सब विश्वासियों के साथ दुःख उठाए| वैकल्पिक अनुवाद: ""सब विश्वासियों के दुखों में सहभागी हो""

2 तीमुथियुस 2:3 (#2)

"साथ दुःख उठा"

बहुत से प्राचीन हस्तलिपियों में **साथ दुःख उठा** लिखा है। आई.आर.वि. उस पाठ का अनुसरण करता है। अन्य प्राचीन हस्तलिपियों में "इसलिए, तू दुःख उठा" लिखा है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वि. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

2 तिमिथियुस 2:3 (#2)

"मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान"

"पौलुस मसीह यीशु के लिए दुःख सहने की तुलना उस कष्ट से करता है जो एक अच्छा सैनिक सहन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जैसे कि तू एक योद्धा है और मसीह यीशु तेरा सेना नायक है""

देखें: उपमा

2 तिमिथियुस 2:4 (#1)

""

"यीशु के अनुसरण में तीमुथियुस को एक अति महत्वपूर्ण बात समझाने के लिए पौलुस एक योद्धा की उपमा देता है, उसको निर्णय लेना होता है कि वह या तो अपने सेना नायक को प्रसन्न करे या सेना से बहार के लोगों को। यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ध्यान दे कि कोई भी समर्पित योद्धा जीवन की चिंताओं से अपना ध्यान भटकने नहीं देता है”।

2 तिमिथियुस 2:4 (#2)

""

"पौलुस अन्य चिंताओं में उलझने को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वे एक जाल है जो मनुष्य को फंसा लेती हैं और वह

स्वतंत्र गतिविधियों से वंचित हो जाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जीवन की चिंताओं से विघ्न को आने देता है""।

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:4 (#1)

"को" - "अपने आप को के कामों में"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप काम में नहीं आता है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: "" जीवन की चिंताओं को विघ्न डालने देता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:4 (#2)

"के"

"**संसार** से पौलुस का तात्पर्य है, रूपक के सन्दर्भ में, ""नागरिक जीवन""| कहने का अर्थ है कि तिमुथियुस और सब विश्वासी सांसारिक चिंताओं द्वारा स्वयं को मसीह के सेवा से विलग न होने दें| वैकल्पिक अनुवाद: ""दैनिक जीवन की""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:4 (#3)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""उसका नायक"" या ""उसको आज्ञा देनेवाला"""

2 तीमुथियुस 2:5 (#1)

"फिर"

यहाँ शब्द **फिर** एक और उदाहरण या रूपक प्रस्तुत करता है जिसका उपयोग पौलुस यह समझाने के लिये करते हैं कि तीमुथियुस को यीशु की सेवा कैसे करनी चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो एक और उदाहरण प्रस्तुत करता है, या आप **फिर** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके अलावा” या “इसी प्रकार”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 2:5 (#1)

""

"यीशु के अनुसरण के महत्त्व को समझाने के लिए पौलुस तीमुथियुस को एक खिलाड़ी की उपमा देता है कि उसको निर्णय लेना होता है कि नियमानुसार स्पर्धा करे या न करे। वह नियमानुसार स्पर्धा करके जीतता है तब ही उसको मुकुट पहनाया जाता है| खेलों में खिलाड़ी की स्पर्धा की तुलना के द्वारा पौलुस निहितार्थ में तीमुथियुस से कहा रहा है कि यदि वह मसीह की सेवा **नियमानुसार** नहीं करेगा तो उसको मसीह से प्रतिफल प्राप्त नहीं होगा, अर्थात यदि वह उसका आज्ञापालन नहीं करेगा! यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसका अपरोक्ष संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ध्यान दे कि अधिकारी किसी खिलाड़ी को मुकुट तब ही पहनाते हैं जब वह नियमानुसार स्पर्धा करके विजयी होता है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:5 (#1)

"अखाड़े में लड़नेवाला यदि विधि के अनुसार न लड़े तो मुकुट नहीं पाता"

"तीमुथियुस को शिक्षा देने के लिए पौलुस काल्पनिक परिदृश्य रच रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मान लो कि किसी खिलाड़ी ने नियमों के अनुसार स्पर्धा नहीं की तो उसको मुकुट नहीं पहनाया जाएगा""

देखें: काल्पनिक स्थितियाँ

2 तिमिथियुस 2:5 (#2)

"अखाड़े में लड़नेवाला यदि"

"यहाँ **लाडे** शब्द का सन्दर्भ किसी खेल स्पर्धा में भाग लेने से है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि कोई खिलाड़ी किसी स्पर्धा में भाग ले"""

2 तिमिथियुस 2:5 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस दोहरे नकारात्मक अंशों को एक सकारात्मक कथन में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधिकारी उसको तब ही मुकुट पहनाएंगे जब वह नियमों का पालन करते हुए स्पर्धा करेगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:5 (#3)

"मुकुट नहीं पाता"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अधिकारी उसको मुकुट नहीं पहनाएंगे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:5 (#3)

"मुकुट नहीं पाता"

"पौलुस के समय में विजयी खिलाडियों को पौधों की पत्तियों से बने मुकुट पहनाए जाते थे। आप अपने अनुवाद में अपनी ही संस्कृति में तुलना की परम्परा का सन्दर्भ देते हुए इस विचार को व्यक्त कर सकते हैं, या किसी सामान्य अभिव्यक्ति के उपयोग द्वारा समझा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अधिकारी तुझे पुरुस्कार नहीं देंगे"" या अधिकारी तुझे विजेता घोषित नहीं करेंगे""

2 तिमिथियुस 2:5 (#4)

""

"पौलुस उन नियमों का सन्दर्भ दे रहा है जिनके द्वारा स्पर्धा का संचालन होता है| खिलाड़ियों को नियमों का पालन करना आवश्यक होत⍰⍰ है अन्यथा उनको स्पर्धा से निकल दिया जाता है परिणामस्वरूप वे विजय का अवसर खो देते हैं| यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इन नियमों का उल्लेख कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह नियमानुसार स्पर्धा नहीं करता है""

2 तिमिथियुस 2:6 (#1)

""

"यीशु के अनुसरण के महत्त्व को समझाने के लिए पौलुस तीमुथियुस के लिए एक किसान की उपमा देता है, उसको निर्णय लेना होता है कि कठोर परिश्रम करे या न करे| यदि किसान कठोर पंरिश्रम करता है तो उसको अच्छी फसल मिलती है| इस तुलना के द्वारा पौलुस तीमुथियुस को मसीह की सेवा के निमित्त कठोर परिश्रम करने का प्रोत्साहन देता है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप परमेश्वर उसको प्रतिफल देगा| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इसका अपरोक्ष संकेत दे सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: "" इस बात पर मनन कर कि कठोर परिश्रम करने वाला किसान सबसे पहले फसल का अधिकारी होता है""।

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:6 (#2)

"जो किसान परिश्रम करता है"

किसान शब्द किसी विशेष किसान को नहीं बल्कि सामान्य रूप में किसानों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी किसान परिश्रम करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

2 तिमिथियुस 2:6 (#1)

"फल का अंश पहले उसे मिलना चाहिए"

"इस परिदृश्य में ऐसा प्रतीत होता है कि यह परिश्रमी किसान अन्य किसानों के साथ काम कर रहा है और वे सब फसल आने पर अपना-अपना फल प्राप्त करेंगे परन्तु यह किसान अन्य किसानों से अधिक परिश्रम करता है इसलिए यह किसान अन्यों से पहले फल लेगा| यहाँ अभिप्रेत है कि पहले प्राप्त करना सर्वोत्तम है,संभवतः फसल की वह उपज अधिक अच्छी होती है|वैकल्पिक अनुवाद: ""फसल का सर्वोत्तम अंश पाएगा""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:7 (#1)

"कहता उस पर ध्यान दे"

"पौलुस ने पद 3-6 में तीमुथियुस के लिए तीन उपमाएं प्रस्तुत कीं, परन्तु उसने उनके भावार्थ को स्पष्ट नहीं किया। उसने तीमुथियुस से ही अपेक्षा की कि वह परमेश्वर की सहायता से मसीह के सेवकों के लिए उन उपमाओं में निहित शिक्षा को समझे। इस कारण यदि आप इन उपमाओं की व्याख्या को समाहित करना चाहते हैं तो हमारा सुझाव है कि आप इनके अर्थ को बाईबल के मुख्य भाग की अपेक्षा पाद टिपण्णी में रखें| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने अभी जो कहा है, उसको पूर्णतः समझने के लिए आवश्यक है कि तू उन पर गहन चिंतन तो करे,परन्तु ऐसा करने में तू परमेश्वर पर निर्भर कर सकता है""

2 तिमिथियुस 2:7 (#1)

"कहता"

"पौलुस ने अभी अपने पत्र में जो लिखा उसको **कहता हूँ** द्वारा संदर्भित करता है कि संचारण के विचार को व्यक्त करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने जो तुझ से अभी-अभी कहा है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:7 (#2)

"सब बातों की"

"**सब बातों को** इस उक्ति का सन्दर्भ उन तीन उपमाओं से है जिनका उल्लेख पौलुस ने इससे पहले किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उन सब के बारे में जिनकी चर्चा मैंने अभी-अभी की है"" या ""उन सब के बारे में जो मैंने कहा है""

2 तीमुथियुस 2:8 (#1)

"स्मरण रख"

यहाँ वाक्यांश **स्मरण रख** इंगित करता है कि तीमुथियुस को **यीशु मसीह** के विषय में निरन्तर विचार करना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं है कि तीमुथियुस **यीशु मसीह** को पूरी तरह से भूल सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पर ध्यान केन्द्रित कर" या "के बारे में निरन्तर विचार कर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:8 (#2)

"जो दाऊद के वंश से हुआ, और मरे हुओं में से जी उठा"

मूल भाषा में घटनाओं का क्रम जैसे हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में लिखा गया है, उसके विपरित है। यीशु का जन्म **दाऊद के वंश से** हुआ था, और फिर वह **मरे हुओं में से जी उठा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन खण्डों के क्रम को क्रमिक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरे हुओं में से जी उठा, जो दाऊद के वंश से हुआ"

देखें: घटनाओं का क्रम

2 तिमिथियुस 2:8 (#3)

""

"**मृतकों में से खडा किया** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मृतक को पुनः जीवन में लाना| वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने फिर से जीवित कर दिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:8 (#2)

"और मरे में से जी उठा"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य रूप में काम में सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसको परमेश्वर ने मृतकों में से खडा किया है ""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 2:8 (#5)

"मरे हुओं में से"

पौलुस **मरे हुओं** विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, ताकि वह उन लोगों की ओर संकेत करे जो **मरे** हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इसी प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरे हुए लोगों में से" या "मृत शरीरों में से"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

2 तिमिथियुस 2:8 (#2)

""

वंश एक अलंकार है जिसके द्वारा यीशु को राजा दाऊद की संतान दर्शाया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दाऊद का वंशज है"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:8 (#4)

"और यह सुसमाचार के अनुसार है"

मेरे शब्द विचार प्रकट करता है कि सुसमाचार पौलुस से जुड़ा हुआ था क्योंकि वह उसका प्रचार करता था। वैकल्पिक अनुवाद: “उस सुसमाचार संदेश के अनुसार जो मैं सुनाता हूँ”

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:9 (#1)

""

"**जंजीरों में**, आलंकारिक भाषा की इस अभिव्यक्ति द्वारा पौलुस अपने कष्टों की सीमा का वर्णन करता है कि मार खाने से बढकर अब वह कैद में है, बंदीगृह में जंजीरों से जकड़ा हुआ है। वैकल्पिक अनुवाद: “बंदी बनाए जाने तक""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:9 (#1)

"मैं कुकर्मी के समान"

"पौलुस अपनी परिस्थिति की तुलना एक ऐसी लज्जाजनक परिस्थिति से करता है जिसमें कोई मनुष्य हो जिसने वास्तव में अपराध किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जैसे कि मैं एक अपराधी हूँ""

देखें: उपमा

2 तिमिथियुस 2:9 (#2)

"परमेश्वर वचन कैद नहीं"

"**बंधा हुआ** का यहाँ अर्थ है, जंजीरों से जकड़ा हुआ कैदी जो पौलुस की दुर्दशा के सन्दर्भ में है| पौलुस स्वयं- एक वास्तविक कैदी- और परमेश्वर के सन्देश में विषमता दर्शाता है कि परमेश्वर का सन्देश कभी बंदी नहीं बनाया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के वचन को कोई नहीं बाँध सकता है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:9 (#2)

"परमेश्वर वचन कैद नहीं"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के सन्देश को कोई नहीं रोक सकता है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 2:9 (#5)

"परमेश्वर का वचन"

यहाँ पौलुस परमेश्वर से आने वाले **वचन** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वचन जो परमेश्वर से आता है"

देखें: स्वामित्व

2 तिमिथियुस 2:9 (#3)

"परमेश्वर वचन"

"पौलुस **बातें** शब्द का लाक्षणिक प्रयोग करता है जो उसके और अन्यों के द्वारा परमेश्वर के सन्देश का मौखिक प्रसारण है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर का सन्देश""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 2:10 (#1)

"इस कारण मैं ... सब कुछ सहता हूँ"

सर्वनाम **इस** का तात्पर्य हो सकता है: (1) उस बात की ओर जो पौलुस ने पिछले वचन में कही, कि परमेश्वर का वचन कैद नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर का वचन कैद नहीं है, मैं ... सब कुछ सहता हूँ" (2) जो पौलुस **चुने हुए** और उनके **उद्धार** के विषय में कहने वाले हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यही कारण है कि मैं ... सब कुछ सहता हूँ:"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

2 तिमिथियुस 2:10 (#1)

"सब कुछ सहता हूँ"

"यहाँ **सब** शब्द व्यापक है जिसका संभावित सन्दर्भ उन कष्टों से है जिनका वर्णन पौलुस ने पिछले पद में किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं वे सब कष्ट उठाता हूँ""

देखें: अतिशयोक्ति

2 तिमिथियुस 2:10 (#1)

"मैं चुने हुए लोगों के लिये"

"**चुने हुए** विशेषण है जिसका प्रयोग यहाँ संज्ञा रूप में किया गया है और इसका सन्दर्भ एक जनसमूह विशेष से है। यदि आपकी भाषा में विशेषण का ऐसा उपयोग नहीं है तो आप इस उक्ति का अनुवाद एक समानार्थक वाक्यांश में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उन लोगों के लिए जिन्हें परमेश्वर ने चुना है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:10 (#2)

"वे" - "उद्धार को मसीह यीशु में हैं" - "पाएँ"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **उद्धार** में निहित विचार को क्रिया शब्द द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह यीशु मेरा उद्धार करे"" (See: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:10 (#2)

"उद्धार को मसीह यीशु में हैं" - "पाएँ"

"**उद्धार पाएं** को कर्ता के प्रयोग से भी व्यक्त किया जा सकता है, मसीह यीशु जो उद्धार करता है । वैकल्पिक अनुवाद: """"मसीह यीशु उनका उद्धार करे""""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:10 (#6)

"अनन्त महिमा के साथ"

यहाँ **अनन्त महिमा के साथ** वाक्यांश **महिमा** को सन्दर्भित कर सकता है: (1) जो उद्धार के साथ-साथ होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त महिमा के साथ-साथ" (2) जो उद्धार की विशेषता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु में अनन्त महिमा सहित उद्धार को पाएँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:10 (#3)

"अनन्त महिमा के साथ"

"भाववाचक संज्ञा, **महिमा** उस अद्भुत स्तिथि का वर्णन करती है जिसका अनुभव मनुष्य पाएंगे जब वे परमेश्वर की उपस्थिति में होंगे| ऐसी स्थिति परमेश्वर ही से है और वह उनके साथ साझा करता है जो मसीह यीशु द्वारा उद्धार पाते हैं और यह स्थिति **अनंत** है| यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **महिमा** में निहित विचार को विशेषण द्वारा समझा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""और जान लो कि यह कैसा महिमामय है कि सदा के लिए परमेश्वर के साथ रहें"" या ""और परमेश्वर की अद्भुत उपस्थिति का सदाकालीन अनुभव पाएं"" (देखें: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

2 तिमिथियुस 2:11 (#1)

"यह बात सच है, कि"

"इस प्रकरण में **बात** शब्द धर्म सिद्धांत के कथन का सन्दर्भ देता है जो आनेवाला है| देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1 तीमुथियुस 1:15 में कैसे किया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह कथन विश्वासयोग्य है""""

2 तिमिथियुस 2:11 (#2)

""

यह सम्भवतः एक भजन या कविता का आरम्भ है जिसे पौलुस उद्धरित कर रहा है। यदि आपकी भाषा में संकेत देने का तरीका है कि यह कविता है, जैसे एकांकी छंदों को अलग-अलग पंक्तियों में रखना तो आप इसका प्रयोग यहाँ और 2:12 तथा 2:13 में कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप इसे कविता की अपेक्षा साधारण गद्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं।

देखें: काव्य

2 तीमुथियुस 2:11 (#2)

"यदि हम उसके साथ मर गए हैं"

पौलुस ऐसे बोलते हैं मानो यह एक काल्पनिक स्थिति हो, परन्तु उनका अर्थ है कि यह निश्चित रूप से होता है। यदि आपकी भाषा में ऐसी बातों को शर्त के रूप में नहीं कहा जाता जब वे वास्तव में होती हैं, और यदि आपके पाठक सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह अनिश्चित है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम उसके साथ मर गए हैं"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

2 तिमिथियुस 2:11 (#3)

"साथ मर गए"

"यह पौलुस की आलंकारिक भाषा है क्योंकि वह, तीमुथियुस और अन्य सब विश्वासी जिन्हें इस कथन पर विश्वास करना है वे वास्तव में मृतक नहीं हैं| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) हो सकता है कि पौलुस उस मानसिकता के सन्दर्भ में कह रहा है जिसमें विश्वासी अपने पापों के निमित्त यीशु की मृत्यु को अंतर्ग्रहण करते हैं, जब वे उस में विश्वास लाते हैं| इसका लाक्षणिक अर्थ है कि उनके पुराने पापी जीवन की मृत्यु हो गई है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि हमने अपने लिए यीशु की मृत्यु को स्वीकार करके अपनी पुरानी जीवन शैली का अंत कर दिया है"" (2) हो सकता है कि पौलुस उस आचरण का सन्दर्भ दे रहा है जो यीशु में विश्वास करने वालों द्वारा उसके नाम के निमित्त, मृत्यु तक कष्ट वहन का है| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि हम यीशु के लिए मरने को तैयार हैं""

2 तिमिथियुस 2:11 (#3)

"तो उसके साथ जीएँगे भी"

"यद्यपि पौलुस मसीह के साथ मरने के लिए आलंकारिक भाषा का प्रयोग करता है, **जीएंगे** की भाषा संभवतः आलंकारिक नहीं है| इसका सन्दर्भ दो में से एक हो सकता है: (1) **जीएंगे** का सन्दर्भ मरणोपरांत जीवन से है| यह पिछले पद में पौलुस द्वारा चर्चित ""अविनाशी महिमा"" और अगले पद में, ""हम उसके साथ राज्य करेंगे"" के परिप्रेक्ष्य में सर्व संभावना में प्रतीत होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""तब परमेश्वर हमें मृतकों में से जीवित करेगा कि यीशु के साथ रहें"" (2) **जीएंगे** का सन्दर्भ विश्वासियों द्वारा मृत्यु से पहले के आचरण के सन्दर्भ में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""हम अपनी अभिलाषाओं के पीछे नहीं भागेंगे, अपेक्षा इसके हम वही करेंगे जो यीशु हमसे चाहता है कि करें""""

2 तिमिथियुस 2:11 (#2)

"यह बात सच है, कि"

"पौलुस इस वाक्यांश के द्वारा अपरोक्ष उद्धरण देता है| इस पद के शेष भाग में और 2:12 तथा 2:13 में जो शब्द है वे या तो कोई कविता है या भजन है जिसके द्वारा उस सन्देश को व्यक्त किया गया है जिसको पौलुस विश्वासयोग्य कहता है आपके पाठकों के लिए सहायक ही सिद्ध होगा यदि आप इन शब्दों को अपरोक्ष उद्धरण के रूप में चिन्हित कर दें या उनको दहिनी ओर पृथक रखें जैसा इस अध्याय के आरम्भ में, निर्विशेष टिप्पणियों में कहा गया है|

देखें: उद्धरण चिह्न

2 तीमुथियुस 2:12 (#1)

"हम धीरज से सहते रहेंगे"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य यह है कि विश्वासियों को दुःख और सताव **सहना** चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम धीरज से दुःख सहते रहेंगे" या "हम धीरज से सताव सहते रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:12 (#1)

"यदि उसका इन्कार करेंगे"

"पौलुस **इन्कार** शब्द का प्रयोग उन विश्वासियों के लिए करता है जो कहते है कि वे इस वर्तमान जीवन में मसीह यीशु को नहीं जानते हैं| इस शब्द का प्रयोग **धीरज** शब्द की विषमता में किया गया है,अतः इसका सन्दर्भ उस मनुष्य के लिए है जो सताव में हारकर यीशु का अनुयायी होने से इन्कार कर देता है| वैकल्पिक अनुवाद:: ""यदि हम आज कहें कि हम उसको नहीं जानते""""

2 तिमिथियुस 2:12 (#2)

"वह हमारा इन्कार करेगा"

"पौलुस दूसरी बार **इन्कार** शब्द को काम में लेता है तो वह मसीह यीशु के सन्दर्भ में है जब वह अंतिम न्याय करेगा| उस दिन यीशु निष्ठावान विश्वासी को ग्रहण करेगा और जो उसके सच्चे भक्त नहीं हैं उनका त्याग कर देगा| जो इस पृथ्वी पर वास करते समय यीशु के अनुयायी होने से इन्कार करते हैं वे उसके सच्चे भक्त नहीं हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""न्याय के दिन वह हमें त्याग देगा""""

2 तिमिथियुस 2:13 (#2)

"यदि हम विश्वासघाती भी हों"

"पौलुस **अविश्वासी** शब्द के द्वारा उन विश्वासियों की दशा का वर्णन करता है जो अब यीशु के आज्ञाकारी नहीं रहे हैं वरन उसकी अवज्ञा करते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि हम यीशु की आज्ञा नहीं मानते हैं"" या ""हम वे काम नहीं करते हैं जो यीशु चाहता है कि हम करें"""

2 तिमिथियुस 2:13 (#1)

"विश्वासयोग्य बना रहता है"

"इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: (1) ""वह हमारे प्रति विश्वासयोग्य है"" (2) वह स्वयं में सच्चा है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:13 (#3)

""

"पौलुस कहता है कि यीशु **अपना इनकार** नहीं कर सकता है अर्थात यीशु अपने गुणों के विरुद्ध नहीं जा सकता है| उसने जो करने को कहा है उनके प्रति वह वचन का पक्का है| पौलुस के मन में इन दो में से एक विचार रहा होगा: (1) उद्धारक होने के कारण यीशु का गुण है कि वह हमारे मन फिराने पर हमारी अनिष्ठा को क्षमा कर देगा, जैसा पतरस ने अनुभव किया था (यूहन्ना 21:15–19). यह पिछले वाक्यांश का पक्षपोषक है, ""वह विश्वासयोग्य बना रहता है"" (2) यीशु का गुण पवित्र परमेश्वर भी है| मनुष्य पापों से मन न फिराएं तो वह उनको दंड भी देता है| यह पिछले वाक्यांश,की व्याख्या,""वह अपने आप में सच्चा बना रहता है"" का पक्षपोषक है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसे अपने गुण के अनुसार ही करना होगा"""

2 तिमिथियुस 2:14 (#1)

""

"# General Information:\n\nयहाँ **उन्हें** शब्द जो यूनानी भाषा की क्रिया में अंतर्निहित है, संभवतः उन लोगों के सन्दर्भ में है जिनका उत्तरदायित्व तीमुथियुस पर था| वैकल्पिक अनुवाद: ""वहाँ लोगों को स्मरण करा"""

2 तीमुथियुस 2:14 (#2)

"इन बातों"

यहाँ **इन बातों** वाक्यांश पौलुस द्वारा पहले लिखी गई बातों को सन्दर्भित करती हैं। इसमें 2:11–13 और सम्भवतः 2:1–10 में दिया गया सत्य वचन भी सम्मिलित हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मैंने लिखा है” या “जो बातें मैंने अभी-अभी कही हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:14 (#1)

"और प्रभु के सामने"

"पौलुस इस अभिव्यक्ति, **परमेश्वर के सामने** को इस अर्थ में काम में लेता है, ""परमेश्वर की उपस्थिति में"" जिसका अर्थ है, ""जहां परमेश्वर हमें देख सकता है|"" इसका लाक्षणिक अर्थ होता है,ध्यान देना और न्याय करना| वैकल्पिक अनुवाद: ""जब परमेश्वर देख रहा है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:14 (#2)

"और प्रभु के सामने"

"इसका निहितार्थ है कि पौलुस तीमुथियुस से कह रहा है कि वह विश्वासियों से कहे कि जब वह उनको यह आज्ञा दे रहा है तो परमेश्वर की दृष्टि उनके कामों पर होगी| वैकल्पिक अनुवाद: "" परमेश्वर को साक्षी मान कर""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:14 (#3)

""

"पौलुस **झगड़ा** शब्द के लाक्षणिक प्रयोग द्वारा विवाद का वर्णन करता है| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) विश्वासियों को महत्वहीन बातों पर विवाद नहीं करना है जैसे, सुसमाचार सुनाने के लिए किसी के द्वारा कुछ शब्दों का प्रयोग| ऐसा करने से मनुष्य महत्वपूर्ण बातों से भटक जाता है जैसे सुसमाचार के सन्देश से ही भटक जाना| वैकल्पिक अनुवाद: ""शब्दों जैसी छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा न करो"" (2) विश्वासियों को शब्दों के अर्थों पर विवाद नहीं करना है| इससे भी विश्एवासियों की एकता अकारण ही भंग होती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""शब्दों के अर्थों पर झगड़ा नहीं करो""

2 तिमिथियुस 2:14 (#2)

"वरन् सुननेवाले बिगड़ जाते हैं"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **बिगड़** में निहित विचार को क्रिया गर्भित वाक्यांश में अनुवाद कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह सुनने वालों का नाश कर देता हैं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:14 (#3)

"वरन् सुननेवाले बिगड़ जाते हैं"

"यहाँ **बिगड़** का सन्दर्भ उन विश्वासियों की शारीरिक हानि से नहीं, आत्मिक हानि से है जो अपने शिक्षकों को महत्वहीन बातों पर मूर्खता का विवाद करते हुए सुनते हैं| इस प्रकार की शिक्षा विश्वासियों को सिखाती है कि छोटी-छोटी बातों में सही दिखना प्रेम और एकता से अधिक महत्वपूर्ण है| इस प्रकार उनके मन में विश्वास की अनुचित धारणा घर करा दे जाती है या उनको यीशु के अनुसरण से पूर्णतः रोक दिया जाता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और इनके सुनने वालों को यीशु के अनुसरण से रोक देती है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:15 (#1)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर को प्रसन्न करने का चरम प्रयास करें"""

2 तिमिथियुस 2:15 (#2)

"और ऐसा काम करनेवाला"

पौलुस आलंकारिक भाषा में कहता है कि यदि तीमुथियुस परमेश्वर के वचन की सही शिक्षा दे तो वह एक निपुण कार्यकर्ता होगा। वैकल्पिक अनुवाद: “एक शिल्पकार के समान”

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:15 (#3)

"जो लज्जित होने न पाए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताने की आवश्यकता है कि कार्य कौन करेगा, तो सन्दर्भ से स्पष्ट है कि यह उसका कार्य होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना लजा के" या "जिसका काम उसे लज्जित न कर पाए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:15 (#3)

""

"पौलुस **सत्य के वचन** को आलंकारिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे दुर्गम भूभाग में काट कर मार्ग तैयार करना हो| जब मार्ग **समतल** होता है तब यात्री सीधे अपने गंतव्य तक चले जाते हैं| इसके विपरीत निरर्थक विवाद जिसकी चर्चा पौलुस ने 2:14 और 2:16 में की है वे इस रूपक के सन्दर्भ में अनावश्यक विमार्ग हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों को दिखा कि धर्मशास्त्र का सीधा अनुसरण कैसे करें"" या ""धर्मशास्त्र की ऐसी उचित शिक्षा दे कि मनुष्य उसका अनुसरण कर पाएं""

2 तीमुथियुस 2:15 (#5)

"सत्य के वचन"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग उस **वचन** का वर्णन करने के लिये कर रहे हैं जो: (1) सत्य हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वचन सत्य है" (2) यह किसी ऐसी बात के विषय में है जो सत्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "सत्य के विषय में वचन"

देखें: स्वामित्व

2 तिमिथियुस 2:15 (#2)

"जो सत्य के" - "को"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **सत्य** में निहित विचार को विशेषण द्वारा व्यक्त किया जा सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""एकमात्र सच्चा सन्देश"" या ""परमेश्वर द्वारा धर्मशास्त्र कही गई सच्ची बातें""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:15 (#1)

"जो सत्य के" - "को"

"यहाँ पौलुस **वचन** शब्द को लाक्षणिक भाषा में काम में लेता है कि शब्दों में व्यक्त करने के सन्दर्भ में हो| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1)इसका सन्दर्भ उस सन्देश से हो सकता है जिसका प्रचार तीमुथियुस को करना है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सच्चा सन्देश"" (2) इसका सन्दर्भ पवित्र शास्त्रों से हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सच्ची बातें जिनका उल्लेख परमेश्वर ने पवित्र शास्त्रों में किया है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 2:16 (#1)

"पर"

यहाँ शब्द **पर** यह दर्शाता है कि तीमुथियुस को **अशुद्ध बकवाद** के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए, जबकि इसके विपरीत उन्हें "सत्य के वचन" (2:15) के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस प्रकार के विरोधाभास को प्रस्तुत करने वाला कोई शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं, या आप **पर** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 2:16 (#2)

"अशुद्ध बकवाद"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य यह है कि **बकवाद** उपयोगी या सच्ची जानकारी से खाली है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अशुद्ध बातों से जिनका कोई अर्थ नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:16 (#3)

"लोग (वे) ... बढ़ते जाएँगे"

मूल भाषा में यहाँ शब्द "वे" का प्रयोग किया गया है, जो एक सर्वनाम को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "लोग" शब्द का उपयोग किया गया है, जो एक समूहवाचक संज्ञा को दर्शाता है। सर्वनाम **वे** सन्दर्भित कर सकते हैं: (1) उन लोगों की ओर जो **अशुद्ध बकवाद** को बोलते और सुनते हैं। जब पौलुस 2:17 में "उनका वचन" का उल्लेख करते हैं, तो ऐसा लगता है कि वह इन लोगों के विषय में बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग उनमें लगे रहते हैं वे ... बढ़ते जाएँगे" या "जो लोग उन्हें बोलते और सुनते हैं वे ... बढ़ते जाएँगे" (2) स्वयं **अशुद्ध बकवाद** की ओर। इस मामले में, पौलुस का अर्थ है कि जैसे-जैसे लोग इनका उपयोग करते हैं, ये **बकवाद** और अधिक अभक्ति होती जाती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बकवाद बढ़ते जाएँगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

2 तिमिथियुस 2:16 (#1)

""

"पौलुस ऐसे विवादों को आलंकारिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वे भौतिक रूप से किसी दिशा विशेष में अग्रसर हो सकते हैं और वह उस दिशा को विधर्म कहता है| पौलुस ऐसे विवादों द्वारा मनुष्यों पर पड़ने वाले दुष्परिणाम का वर्णन आलंकारिक भाषा में करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि वे मनुष्यों के लिए अधिकाधिक विधर्मी होने का कारण होते हैं""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:16 (#5)

"अभक्ति में"

यदि आपकी भाषा में **अभक्ति** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भक्तिहीन होते चले जाएंगे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:17 (#1)

"उनका वचन"

"पौलुस **वचन** शब्द का प्रयोग लाक्षणिक भाषा में, मौखिक शब्दों के सन्दर्भ में करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसे

विवाद"" या ""ऐसे विवादों में भाग लेने वाले मनुष्य क्या कहते हैं""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:17 (#1)

""

"यह एक उपमा है| इसका अर्थ है कि यह मनष्य से मनुष्य में फैलने वाला अनर्थ, जो सुनने वालों के विश्वास को हानि पहुंचाता है| यह फैलने वाली बात या तो (1) निरर्थक एवं विधर्मी विवाद की प्रवृति है या (2) ऐसे निरर्थक विवादों में कही जाने वाली बातें है, या दोनों ही हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""ये निरर्थक विवाद अति शीघ्र फैल जाएंगे और किसी संक्रामक रोग के सदृश्य विनाश करेंगे""

देखें: उपमा

2 तिमिथियुस 2:17 (#2)

"की तरह"

"**सड़े घाव** अर्थात संक्रमण के कारण या रक्त प्रवाह की कमी के कारण मृतक उत्तक| यह मनुष्य के शरीर में अति शीघ्र फैल जाता है और उसकी मृत्यु का कारण होता है| यदि पाठकों को समझने में कठिनाई हो तो आप किसी सामान्य उक्ति द्वारा समझा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""संक्रामक रोग के सदृश्य""

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद

2 तिमिथियुस 2:17 (#2)

"हुमिनयुस और फिलेतुस"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 2:18 (#1)

""

"पौलुस मसीह में विश्वास के लिए इस अभिव्यक्ति का लाक्षणिक उपयोग करता है,जैसे कि वह एक लक्ष्य हो जिस पर मनुष्य को निशाना साधना है| जो **सत्य से भटक गए** हैं वे सत्य में न तो विश्वास करते हैं और न ही उसकी शिक्षा देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन बातों की शिक्षा देते हैं जो सच नहीं हैं""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:18 (#1)

"जो" - "सत्य से भटक गए हैं"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **सत्य** में निहित विचार को विशेषण से व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे ऐसी शिक्षा देते हैं जो सत्य नहीं""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:18 (#2)

"पुनरुत्थान हो चुका है"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा,**पुनरुत्थान** में निहित विचार को किसी समानार्थक अभिव्यक्ति द्वारा प्रकट कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर तो मृतकों को जीवित कर चुका है""

2 तिमिथियुस 2:18 (#3)

""

"पौलुस **विश्वास** को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह कोई वस्तु हो जिसको नष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे कुछ लोगों के लिए विश्वास के त्याग का कारण हो रहे हैं""

2 तीमुथियुस 2:18 (#5)

"कितनों के विश्वास"

यदि आपकी भाषा **विश्वास** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार कुछ लोगों के विश्वास को" या "इस प्रकार कुछ विश्वास करनेवालों के विश्वास को"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:19 (#2)

"परमेश्वर पक्की नींव बनी रहती है"

"पौलुस भवन की नींव की उपमा द्वारा समझाते हुए कहता है कि झूठा और विनाशकारी सन्देश कुछ लोगों के विश्वास को नष्ट कर रहा है, परन्तु परमेश्वर ने उन लोगों के लिए जो उसका अनुसरण करने की इच्छा रखते है, सच्चा सन्देश दे दिया है| इसे लाक्षणिक भाषा में उनके लिए ""खड़े होने का स्थान"" उपलब्ध कराना कहा गया है, जो सुरक्षित एवं सुदृढ़ है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने उसमें विश्वास करते रहने के लिए मनुष्यों को एक सुरक्षित आधार उपलब्ध करा दिया है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:19 (#1)

"उस पर यह छाप लगी है"

"पौलुस इस नीव के लिए लाक्षणिक भाषा में कहता है कि उस पर **छाप** लगी है क्योंकि दस्तावेजों पर लगी छाप में प्रायः उनकी विषयवस्तु का वर्णन अंकित होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस उत्कीर्णन के साथ"" या ""जिसका वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:19 (#2)

"उस पर यह छाप लगी है"

"पौलुस इस उपवाक्य के द्वारा दो अपरोक्ष उद्धरण प्रस्तुत करता है| इस पद के शेष अंश में जो कथन हैं वे परमेश्वर में विश्वास करते रहने के लिए परमेश्वर ने मनुष्यों को जो आधार दिया है उसके दो भावों का वर्णन है| यदि आप इनको उद्धरण चिन्हों में रखें तो आपके पाठकों के लिए यह सहायक सिद्ध होगा|

देखें: उद्धरण चिह्न

2 तीमुथियुस 2:19 (#4)

"प्रभु" - "प्रभु का"

यहाँ शब्द **प्रभु** का अर्थ हो सकता है: (1) विशेष रूप से यीशु। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु यीशु ... प्रभु यीशु का” (2) सामान्य रूप से परमेश्वर। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु परमेश्वर ... प्रभु परमेश्वर का”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:19 (#5)

"पहचानता है"

मूल भाषा में यहाँ वाक्य भूतकाल में लिखा गया है जबकि हिन्दी बाइबल में यह वाक्य वर्तमान काल में लिखा गया है। यहाँ उद्धरण के लेखक ने कुछ ऐसा सन्दर्भित करने के लिये भूतकाल का उपयोग किया है जो हमेशा सत्य रहता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सामान्य सत्य को व्यक्त करने के लिये जो भी काल स्वाभाविक हो, उसका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहचान लिया है"

देखें: काल के अनियमित उपयोग

2 तीमुथियुस 2:19 (#6)

"जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह ... बचा रहे"

यहाँ पौलुस **अधर्म** के विषय में ऐसे बात करते हैं जैसे कि यह एक स्थान हो जहाँ से लोगों को **बचे** रहना चाहिए। उनका अर्थ है कि इन लोगों को अधर्म करना बन्द कर देना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह ... दूर रहे" या "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह ... को त्याग दे"

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:19 (#7)

"जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह ... बचा रहे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का तृतीय-पुरुष अनिवार्यता का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह ... दूर रहे"

देखें: तृतीय-पुरुष अनिवार्यताएँ

2 तिमिथियुस 2:19 (#3)

"जो कोई प्रभु का नाम लेता है"

"**प्रभु का नाम लेता है** यह एक मुहावरा है जिसका संदर्भ प्रभु का होने की घोषणा में प्रभु के नाम के उच्चारण से है।

वैकल्पिक अनुवाद: ""जो कहता है कि वह प्रभु में विश्वास करता है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:19 (#4)

""

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, ""अधर्म"" में निहित विचार को समानार्थक अभिव्यक्ति द्वारा व्यक्त कर सकते हैं । वैकल्पिक अनुवाद: “आवश्यक है कि वह दुष्कर्मों से दूर रहे""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:20 (#1)

"(अब) बड़े घर में"

मूल भाषा में यहाँ "अब" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो वाक्य या वाक्यांशो को जोड़ने का कार्य करता है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **अब** शब्द अगली बात का परिचय देता है जिसके विषय में पौलुस लिखना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अगले विषय का परिचय देता है, या आप **अब** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके आगे,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 2:20 (#1)

"बड़े घर में न केवल ही के, पर काठ और मिट्टी के बर्तन भी होते हैं"

"यीशु के अनुसरण के निमित्त तीमुथियुस को एक मुख्य बात सामझाने हेतु पौलुस किसी धनवान मनुष्य के घर के बरतनों की उपमा देता है और उसकी तुलना कलीसिया के सदस्यों से करता है|यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप संकेत दे सकते है कि यह एक रूपक या उदाहरण है| वैकल्पिक अनुवाद: ""इस उदाहरण पर ध्यान दे: किसी धनवान मनुष्य के घर में सोने और चांदी के बरतन तो होते ही हैं परन्तु लकड़ी और मिट्टी के बरतन भी होते हैं|

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:20 (#1)

""

"यहाँ “बरतन” शब्द उन वस्तुओं के लिए एक सामान्य शब्द है जिनमें अन्न, भोजन, पेय पदार्थ, या कूड़ा आदि रखा जाता है। यदि आपकी भाषा में एक सामान्य शब्द नहीं है, तो निश्चित शब्द काम में ले सकते हैं जैसे ""कटोरा"" या “घड़ा""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:20 (#2)

"पर काठ और मिट्टी के" - "भी"

"पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देता है जिनकी आवश्यकता अन्य भाषाओं की वाक्य रचना में होती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""और वहाँ लकड़ी तथा मिट्टी के बरतन भी होते हैं""

देखें: विराम बिंदु

2 तीमुथियुस 2:20 (#5)

"कोई-कोई आदर, और कोई-कोई अनादर के लिये"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ आदर के लिये बनाए जाते हैं और कुछ अनादर के लिये बनाए जाते हैं"

देखें: पदलोप

2 तिमिथियुस 2:20 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप भाववाचक संज्ञाओं, **आदर** और **अनादर** में निहित विचारों को समानार्थक वाक्यांशों द्वारा व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह पहले को सम्मान के अवसर पर काम में लेता हैऔर दूसरे को ऐसे काम में लेता है जिसको कोई देखना नहीं चाहता है""

2 तिमिथियुस 2:21 (#1)

""

"यहाँ, पौलुस उसी उपमा का प्रयोग करता है जिसके द्वारा कलीसिया के सदस्यों की तुलना किसी बड़े घर में विभिन्न प्रयोजनों के लिए काम में आने वाले बरतनों से की गई है|

पौलुस लाक्षणिक रूप में मनुष्य के आत्मशोधन हेतु स्नान की तुलना अशुद्ध काम में लिए गए बरतन के मार्जन से करता है| उसके कहने का अभिप्राय है कि उस मनुष्य ने कुछ सम्बन्धों या कार्यकलापों का त्याग कर दिया है| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) **इनसे** शब्द का सन्दर्भ उन झूठे शिक्षकों से हो सकता है जो कुछ लोगों के विश्वास को नष्ट कर रहे थे| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने इन झूठे शिक्षकों से सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है"" (2) **इनसे** का सन्दर्भ झगड़ों और झूठी शिक्षाओं से हो सकता है जिसकी चेतावनी पौलुस तीमुथियुस को दे चुका है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उसने विधर्मी कार्यकलापों का समापन कर दिया है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:21 (#2)

"इनसे"

यहाँ शब्द **इनसे** का सन्दर्भ हो सकता है: (1) जो पौलुस ने 2:16–18 में कहा है कि झूठे शिक्षक क्या करते और कहते हैं। तब विशेष ध्यान, अभक्ति और झूठी शिक्षा पर है। वैकल्पिक अनुवाद: “अभक्ति और झूठी शिक्षा से” या “इन अभक्ति बातों से” (2) अनादर के पात्र जिनका पौलुस ने 2:20 में उल्लेख किया है। इस मामले में, ध्यान पात्रों पर या अनादर पर हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “इन अनादर के पात्रों से” या “उस अनादर से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 2:21 (#3)

"अपने आपको" - "तो वह ... ठहरेगा"

हालाँकि **अपने आपको** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, पौलुस इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष अपने आपको या स्त्री अपने आपको ... वह ... ठहरेगा या ठहरेगी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

2 तिमिथियुस 2:21 (#1)

"इनसे" - "वह आदर का पात्र"

"कहने का अभिप्राय है कि परमेश्वर उस मनुष्य को महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपेगा जो अनुचित संबंधो और कार्यकलापों से मुक्त रहेगा| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसको सुव्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह एक ऐसा मनुष्य होगा जिसको परमेश्वर महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपेगा""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:21 (#2)

"पवित्र ठहरेगा"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं हैं तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसको परमेश्वर ने अपने लिए पृथक कर लिया है"" या ""जिसको परमेश्वर ने किसी उद्देश्य विशेष के निमित्त पृथक कर लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 2:21 (#4)

"हर भले काम के लिये तैयार होगा"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिसने स्वयं को किसी भी प्रकार के अच्छे काम के लिए तैयार कर लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 2:22 (#1)

"(परन्तु) जवानी की अभिलाषाओं"

मूल भाषा में यहाँ "परन्तु" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो किसी शब्द या वाक्यांश को जोड़ने का कार्य करता है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **परन्तु** शब्द अगली बात का परिचय देता है जिसके विषय में पौलुस लिखना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अगले विचार का परिचय देता है, या आप **परन्तु** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अब”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 2:22 (#1)

""

"पौलुस जवानी की अभिलाषाओं के विषय में इस प्रकार बताता है मानो कि वे एक खतरनाक व्यक्ति या जानवर हैं जिनसे तीमुथियुस को भागना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: “अपनी जवानी की अभिलाषाओं को वश में रख""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:22 (#1)

"जवानी की अभिलाषाओं से भाग"

"पौलुस अनैतिक कार्यकलापों के लिए आलंकारिक भाषा में कहता है, अभिलाषाएं जो किसी मनुष्य को उनमें सहभागी होने के लिए प्रेरित करती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""उन अनुचित बातों को करने से इनकार कर जिनको युवा वर्ग करने की इच्छा रखता है""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:22 (#3)

"नाम लेते हैं, उनके साथ"

"इसका संभावित अर्थ है, कि पौलूस चाहता है कि तीमुथियुस अन्यों के साथ जो सच्चे विश्वासी है, इन सकारात्मक बातों की खोज में रहे| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो सके तो आप इस उक्ति को तीमुथियुस को दी गई पौलुस की आज्ञा के पहले रख सकते हैं,जैसा यूं एस टी में **पीछा कर** के पहले है। वैकल्पिक अनुवाद: ""उन लोगों के साथ जो सच्ची मंशा से प्रभु की उपासना करते हैं""""

2 तिमिथियुस 2:22 (#2)

""

"पौलुस **पीछा कर** क्रिया शब्द को **भागने** के विपरीत काम में ले रहा है। पौलुस इन सकारात्मक बातों की चर्चा ऐसे कर रहा है कि जैसे तीमुथियुस को उनके पीछे भागना आवश्यक है क्योंकि वे उसका भला करेंगी। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उचित है उसको करने में, परमेश्वर में विश्वास रखने में, परमेश्वर और मनुष्यों से प्रेम करने में, और मनुष्यों के साथ शान्ति बनए रखने में तत्परता दिखा""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:22 (#2)

"धार्मिकता, विश्वास, प्रेम, मेल-मिलाप"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इन भाववाचक संज्ञाओं, **धर्म**, **विश्वास**, **प्रेम**, **मेलमिलाप** में निहित विचारों को अपने अनुवाद में समानार्थक अभिव्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो उचित है वह कर, परमेश्वर में विश्वास रख, मनुष्यों से प्रेम कर, और मनुष्यों के साथ शांति बनए रख""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 2:22 (#7)

"विश्वास"

यहाँ शब्द **विश्वास** का अर्थ हो सकता है: (1) यीशु में विश्वास। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु में विश्वास" (2) परमेश्वर जो चाहते हैं उसे करने में विश्वासयोग्यता। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासयोग्यता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:22 (#4)

"प्रभु नाम लेते हैं"

यहाँ **प्रभु का नाम लेते हैं** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है प्रभु पर विश्वास करना और उसकी आराधना करना। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो प्रभु की आराधना करते हैं”

देखें: मुहावरा

2 तीमुथियुस 2:22 (#9)

"शुद्ध मन से प्रभु का"

यहाँ **शुद्ध मन से** वाक्यांश हो सकता है: (1) इन लोगों का एक और वर्णन। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु का नाम लेते है, जिनके पास शुद्ध मन है" (2) यह वर्णन कि वे किस प्रकार **प्रभु का नाम लेते हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु का नाम जिन्हें वे शुद्ध मन से पुकारते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 2:22 (#1)

"जो शुद्ध मन से"

"पौलुस **मन** शब्द के लाक्षणिक प्रयोग द्वारा मनुष्य की मंशाओं और अभिलाषाओं का सन्दर्भ देता है | वैकल्पिक अनुवाद: ""सच्ची मंशा से""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 2:23 (#1)

"मूर्खता, और अविद्या के विवादों से अलग रह"

"पौलुस कुछ प्रकार के विवादों के लिए लाक्षणिक भाषा का प्रयोग करता है| मनुष्यों द्वारा पूछे गए ऐसे प्रश्नों में सहभागी होने से विवाद बढ़ते है या ऐसे प्रश्न पूछने वालों के साथ सहभागिता करने से| वैकल्पिक अनुवाद: ""मूर्खता और निर्बुद्धी के विवादों में सहभागी मत हो"" या ""मनुष्य जो विवाद आरम्भ करें उसमें सभागिता के लिए तू विवश न किया जाए क्योंकि वे मूर्खता और निर्बुद्धी के विवाद हैं""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 2:23 (#2)

"मूर्खता, और अविद्या के विवादों"

यदि आपकी भाषा विवादों के विचार के लिये एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूर्खता और अज्ञानता की बातों पर वाद-विवाद करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 2:23 (#1)

"मूर्खता, और अविद्या के विवादों से"

"**मूर्खता** और **अविद्या**, इन दोनों शब्दों के संयोजित उपयोग के द्वारा पौलुस संभवतः एक ही विचार पर बल देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""महामूर्खता के प्रश्न""

देखें: युग्म

2 तिमिथियुस 2:23 (#2)

"झगड़े होते हैं"

पौलुस अज्ञानता के **प्रश्नों** की बात इस प्रकार करता है जैसे कि वे बच्चे को जन्म देने वाली स्त्रियाँ थीं (**झगड़े**) वैकल्पिक अनुवाद" "ये विवाद का कारण बनते हैं"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:23 (#2)

"झगड़े"

"पौलुस **झगडे** शब्द के लाक्षणिक प्रयोग द्वारा विवादों का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उनसे विवाद उत्पन्न हता है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:24 (#1)

"(परन्तु) और"

मूल भाषा में यहाँ "परन्तु" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक विरोधाभास को दर्शाता है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "और" शब्द का उपयोग किया गया है, जो किसी जानकारी को और जोड़ता है। यहाँ **परन्तु** शब्द यह दर्शाता है कि **प्रभु के दास** कैसे व्यवहार करते हैं, जबकि पौलुस ने पिछले वचन में जिन "विवादों" का उल्लेख किया था, उनके कारण लोग किस प्रकार कार्य करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस प्रकार के विरोधाभास को प्रस्तुत करने वाला कोई शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं, या आप **परन्तु** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 2:24 (#2)

"प्रभु के दास को"

दास शब्द किसी एक विशेष व्यक्ति का नहीं, बल्कि **प्रभु के दास** के रूप में किसी भी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु का प्रत्येक दास को"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

2 तिमिथियुस 2:24 (#1)

"प्रभु के दास को"

"पौलुस इस अभिव्यक्ति, **प्रभु के दास** के लाक्षणिक प्रयोग द्वारा कलीसिया के अगुओं का सन्दर्भ देता है जिनमे तीमुथियुस भी है| वे प्रभु की इच्छा को पूरा करते हैं जिसमें विश्वासियों को शिक्षा देना और उनके अधिकार और सत्य को चुनौती देने वाले झगड़ालू शिक्षकों का सामना करना है| वैकल्पिक अनुवाद: ""कलीसिया में एक अगुआ""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:24 (#1)

"झगड़ालू नहीं होना चाहिए"

"पौलुस **झगड़े** शब्द का लाक्षणिक उपयोग करके विवादों का वर्णन करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""विवाद नहीं करना चाहिए""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 2:24 (#5)

"सब"

पौलुस **सब** विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ सभी लोग है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

2 तिमिथियुस 2:25 (#1)

"नम्रता से"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस इस अभिव्यक्ति में प्रयुक्त भाववाचक संज्ञा, **नम्रता** में निहित विचार की व्याख्या कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""नम्रता से या "कोमलता से""

2 तिमिथियुस 2:25 (#2)

""

"पौलुस इसको झगड़ों के विरुद्ध ईश्वरीय प्रतिक्रया स्वरुप प्रस्तुत करता है| इस शब्द का अर्थ हो सकता है, ""शिक्षा दे"" या "सुधार कर" वैकल्पिक अनुवाद: ""शिक्षण"" या ""सुधार"""

2 तिमिथियुस 2:25 (#3)

""

पौलुस **मन फिराव का मन** के लिए ऐसे कहता है जैसे कि वह कोई वस्तु हो जिसे परमेश्वर मनुष्यों को दे सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनको पश्चाताप करने पर विवश करे"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:25 (#4)

"सत्य को पहचानें"

"पौलुस **मन फिराव** के परिणाम को सत्य की पहचान कहता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि वे सत्य को पहचान पाएं"""

2 तीमुथियुस 2:26 (#1)

"और इसके द्वारा शैतान की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाएँ"

मूल भाषा में यहाँ घटनाओं का क्रम हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में दिए गए क्रम के विपरित है। **सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाने** से पहले ये लोग शैतान के द्वारा **शैतान की इच्छा पूरी की**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन खण्डों के क्रम को उलट सकते हैं ताकि विचारों को क्रमिक क्रम में व्यक्त किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "सचेत होकर शैतान के फंदे से छूटने से पहले शैतान की इच्छा पूरी कर रहे थे"

देखें: घटनाओं का क्रम

2 तिमिथियुस 2:26 (#1)

"शैतान" - "के" - "सचेत होकर के से छूट जाएँ"

"पौलुस एक उपमा से दूसरी उपमा पर आता है| वह कुछ शब्दों को छोड़ देता है जिनकी आवश्यकता अन्य भाषाओं में वाक्य रचना की पूर्ती हेतु पड़ती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे

दीन हो जाएं और शैतान के फंदे से बचें"" (देखें : [[rc://hi/ta/man/translate/figs-विराम बिंदु]])"

देखें: विराम बिंदु

2 तिमिथियुस 2:26 (#1)

""

जो पापी जन परमेश्वर के विषय में उचित विचार रखना सीख रहे हैं उनको पौलुस ऐसे दर्शाता है कि जैसे वे मदिरा के नशे में थे परन्तु अब वे होश में आ रहे हैं।

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:26 (#2)

""

"पौलुस शैतान के भरमाने को फंदा कहता है जिसमें पापी जन फँस जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शैतान के भ्रमजाल से बच कर निकल जा"" या ""शैतान के बहकावे का परित्याग कर"" (देखें :[[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 2:26 (#2)

"इसके द्वारा" - "की इच्छा पूरी करने" - "लिये"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप का प्रयोग कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसके बाद कि शैतान उनको बंदी बना ले और उनसे अपनी इच्छा की पूर्ति कराए""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 2:26 (#6)

"इसके द्वारा शैतान की (उसकी) इच्छा पूरी करने के लिये"

मूल भाषा में यहाँ "उसकी" शब्द का प्रयोग किया गया है जो एक सर्वनाम को दर्शाता है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "शैतान" शब्द का उपयोग किया गया है जो एक संज्ञा को दर्शाता है। यहाँ पौलुस **इसके** सर्वनाम और **उसकी** का उपयोग करते हैं। वह हो सकता है: (1) दोनों शब्दों का उपयोग शैतान के लिये कर रहे हों। वैकल्पिक अनुवाद: "शैतान की इच्छा के लिए शैतान" (2) **उसकी** का उपयोग शैतान के लिये और **इसके** का उपयोग परमेश्वर के लिये कर रहे हों। इस स्थिति में, **उसकी इच्छा पूरी करने के लिये** इन लोगों के फिर से सचेत होने का परिणाम देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शैतान, परन्तु अब वे परमेश्वर की इच्छा करने के लिये"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

2 तिमिथियुस 2:26 (#3)

""

"पौलुस शैतान के छल को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे ने शैतान उनको शारीरिक रूप से बंदी बना लिया है और जैसा वह चाहता है वैसा काम उनसे करवाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बाद जब शैतान ने उनको छल कर अपनी इच्छा से काम करवाया ""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:1 (#1)

"पर"

यहाँ **पर** शब्द अगले विषय का परिचय देता है जिसके विषय में पौलुस लिखना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अगले विचार का परिचय देता हो, या आप **पर** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तीमुथियुस 3:1 (#2)

"यह जान रख, कि"

यह जान रख, कि अभिव्यक्ति में अतिरिक्त जानकारी है जिसे कुछ भाषाओं में व्यक्त करना अस्वाभाविक होगा। यदि आपकी भाषा में भी ऐसा हो, तो आप अभिव्यक्ति को संक्षिप्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जानो कि"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी को स्पष्ट करना

2 तिमिथियुस 3:1 (#2)

""

पौलुस **दिनों** शब्द को लाक्षणिक रूप में समय विशेष के लिए काम में लेता है। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्त से पहले समय की अवधि में”

2 तिमिथियुस 3:1 (#3)

"कठिन समय"

"पौलुस मनुष्यों के निंदक और अभिमानी होने की जो बात करता है उसका अभिप्राय है कि उस समय में विश्वासियों के लिए कठिनाइयां उत्पन्न होंगी। वैकल्पिक अनुवाद: ""विश्वासी कठिन परिस्थितियों का सामना करेंगे""

2 तीमुथियुस 3:2 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** शब्द यह स्पष्ट करता है कि समय कठिन क्यों होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो किसी दावे के लिये कारण या आधार प्रस्तुत करता है, या आप **क्योंकि** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा इसलिए है क्योंकि" या "यह है कारण:"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 3:2 (#2)

"मनुष्य (पुरुष)"

मूल भाषा में यहाँ "पुरुष" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक पुल्लिंग को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "मनुष्य" शब्द का उपयोग किया गया है, जिसमें पुरुष और स्त्री दोनों शामिल है। शब्द **पुरुष** किसी एक विशेष समूह के **पुरुष** का नहीं, बल्कि सामान्य लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

2 तिमिथियुस 3:2 (#1)

"मनुष्य"

"यहाँ पौलुस **मनुष्य** शब्द को व्यापक अर्थ में काम में ले रहा है जिससे उसका अभिप्राय है, सब लोग| वैकल्पिक अनुवाद: ""लोग""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

2 तिमिथियुस 3:2 (#1)

"स्वार्थी"

"यहाँ **स्वार्थी** का सन्दर्भ आत्मरति से है अर्थात परिवार या मित्रों से स्वाभाविक प्रेम से बढ़कर अपने तक ही सीमित रहना। ऐसा प्रेम परमेश्वर प्रदत्त नहीं होता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""स्वार्थपरायण"""

2 तिमिथियुस 3:3 (#3)

"भले के बैरी"

"**प्रेम के नहीं**, इसके अनुवाद में नकारात्मक, **नहीं** को सकारात्मक बनाया जा सकता है **चाहनेवाले** के स्थान में विलोम शब्द, ""घृणा करनेवाले"" काम में लिया जा सकता है वैकल्पिक अनुवाद: ""वे भलाई से घृणा करेंगे"""

2 तिमिथियुस 3:4 (#2)

"अभिमानी"

"**घमंडी** शब्द एक रूपक है जिसका अर्थ है, अभिमानी होना और स्वयं को अन्यों से अधिक समझना| वैकल्पिक अनुवाद: ""अहंकारी"" या ""दम्भी""

2 तिमिथियुस 3:4 (#1)

"अभिमानी"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""अभिमानी' या ""दम्भी""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 3:5 (#1)

"वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे"

यदि आपकी भाषा **भक्ति** और **शक्ति** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे दिखते हैं जैसे भक्ति करते हों, परन्तु भक्ति करने की वास्तविक शक्ति को अस्वीकार करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 3:5 (#1)

""

"**भेष धरेंगे** इसका अर्थ है कि उनकी **भक्ति** सच्ची या यथार्थ नहीं है| वैकल्पिक अनुवाद: ""भक्त दिखाई देंगे"" या ""परमेश्वर का सम्मान करते दिखाई देंगे""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:5 (#3)

"उसकी शक्ति को न मानेंगे"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि ये लोग उस **शक्ति** का अनुभव करने और उस पर कार्य करने से इनकार करते हैं जो सच्ची भक्ति के साथ आती है। दूसरे शब्दों में, वे वास्तव में भक्ति के काम नहीं करते, और न ही परमेश्वर को उन्हें बदलने देते हैं ताकि वे और अधिक भक्त बनें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उसकी शक्ति का अनुभव करने से इनकार करेंगे” या “उस कार्य को अनदेखा करेंगे जिसकी यह माँग करता है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:5 (#1)

"ऐसों से परे रहना"

"पौलुस इस शब्द के द्वारा पिछले वाक्य में वर्णित बात के परिणाम को प्रकट करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अतः""

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

2 तिमिथियुस 3:5 (#3)

""

"**परे रहना**, यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, किसी से बच कर रहना| ""इन लोगों से बच कर रहना"" या ""ऐसे लोगों से दूर रहना""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:5 (#2)

"ऐसों से परे रहना"

"**ऐसों** शब्द एक संकेतवाचक विशेषण है जो उन लोगों के संदर्भ में है जिनमें वे सब विधर्मी अवगुण है जिनकी चर्चा पौलुस ने पिछले पदों में की है| पौलुस इस शब्द को संज्ञा रूप में काम में ले रहा है |यदि आपकी भाषा में विशेषणों को इस प्रकार काम में नहीं लिया जाता है तो आप अपने अनुवाद में ""मनुष्यों"" शब्द को जोड़ सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""इन लोगों से बच"" या ""ऐसे लोगों से दूर रह""

देखें: नाम विशेषण

2 तीमुथियुस 3:6 (#1)

"(क्योंकि) इन्हीं में से वे "

मूल भाषा में यहाँ "क्योंकि" शब्द का प्रयोग किया गया है जो किसी कारण को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **क्योंकि** शब्द एक कारण प्रस्तुत करता है कि तीमुथियुस को इन लोगों से "परे रहना" है (देखें 3:5)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो आज्ञा के लिये एक कारण या आधार प्रस्तुत करता है, या आप **क्योंकि** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसों से परे रहना क्योंकि" या "मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 3:6 (#2)

"इन्हीं में से"

पौलुस **इन्हीं** विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ वे लोग हैं जिनका वर्णन उन्होंने पिछले वचन में किया है। आपकी भाषा भी विशेषणों का इस तरह से उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। देखें कि आपने 3:5 में "ऐसों" शब्द का अनुवाद कैसे किया हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इन्हीं लोगों में से” या “जिन लोगों का वर्णन मैंने किया है”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

2 तीमुथियुस 3:6 (#3)

"जो घरों में दबे पाँव घुस आते हैं"

यहाँ पौलुस इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि ये लोग कैसे दूसरों के घरों में जाते हैं। **घुस आते हैं** के रूप में अनुवादित शब्द का तात्पर्य यह है कि ये लोग झूठे बहाने और छल का प्रयोग करके इन घरों में जाते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो छल का प्रयोग करके घरों में प्रवेश करते हैं” या “जो चुपके से दूसरों के घरों में घुसते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:6 (#1)

""

"यहाँ पौलुस आलंकारिक भाषा में एक उक्ति काम में लेता है, **वश में कर लेते**, इसका अर्थ है, छल के द्वारा किसी पर अत्यधिक प्रभाव डालना| वैकल्पिक अनुवाद: ""धूर्तता से काम करना""

2 तिमिथियुस 3:6 (#2)

"दुर्बल स्त्रियों को"

"**दुर्बल स्त्रियों** अर्थात आत्मिकता में दुर्बल और अपरिपक्व| वे ऐसे लोगों को अपने घरों में आने देती हैं और उनकी बातें सुनती हैं क्योंकि वे दृढ़ नहीं हैं,आलसी है, और अनेक पापों से ग्रस्त हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो स्त्रियाँ आत्मिकता में दुर्बल हैं"""

2 तिमिथियुस 3:6 (#3)

"जो पापों से दबी"

"पौलुस आलंकारिक भाषा में **पापों** शब्द को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वे उन स्त्रियों की पीठ पर लदे हुए हैं| पौलुस समझा रहा है कि ऐसे लोगों द्वारा इन स्त्रियों को वश में कर लेने का कारण क्या है| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) ये स्त्रियाँ अधिकतर पाप करती हैं या लगातार पाप करती रहती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो अधिकतर पाप करती हैं"" (2) इन स्त्रियों में भयानक पाप बोध है क्योंकि वे पाप करती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो अपने पापों के कारण भयानक अपराधबोध में हैं""।

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:6 (#1)

"जो पापों से दबी"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो अधिकतर पाप करते है"" या ""जिनमें अपने पापों का भयानक पाप बोध है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 3:6 (#4)

"हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं"

"पौलुस **हर प्रकार की अभिलाषाओं** को आलंकारिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वे मनुष्य को सशरीर उठा कर ले जाती हैं। उसके कहने का अर्थ है, ये स्त्रियाँ दुराचार का निर्णय लेती हैं क्योंकि वे अपनी अभिलाषाओं को तुष्ट करना चाहती हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""वे नाना प्रकार के पाप करती हैं""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:6 (#2)

"हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""नाना प्रकार की अभिलाषाएं उनको दूर ले जाती हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 3:7 (#1)

"और"

यहाँ **और** शब्द ऐसी बात प्रस्तुत करता है जो इस बात के विपरीत है कि ये स्त्रियाँ **सदा सीखती** रहती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश

का उपयोग कर सकते हैं जो विरोधाभास प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 3:7 (#1)

"पर सत्य की पहचान तक कभी नहीं पहुँचतीं"

"पौलुस आलंकारिक भाषा काम में लेते हुए **सत्य की पहचान** को एक लक्ष्य स्वरूप दर्शाता है जहां लोग पहुँच सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""सत्य को अंतर्ग्रहण करने योग्य कभी नहीं हो सकते""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:7 (#3)

"सत्य की पहचान तक"

यदि आपकी भाषा **सत्य** और **पहचान** के विचारों के लिये भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सच्ची शिक्षा की पहचान तक"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 3:8 (#1)

"यन्नेस और यम्ब्रेस ने"

"पौलुस यह मान कर चलता है कि तीमुथियुस समझ लेगा कि वह यहाँ फिरौन के राजसी जादूगरों का सन्दर्भ दे रहा है जिन्होंने मूसा के चमत्कारों की नक़ल करने का प्रयास किया था| बाईबल में उनके नाम नहीं दी गए हैं परन्तु यहूदी परम्परा के अनुसार उनके नाम, यन्नेस और यम्ब्रेस हैं| इन दोनों की इच्छा थी कि फिरौन मूसा की बात न माने या यहोवा की अवहेलना करे| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप अधिक स्पष्टता में उनकी पहचान प्रकट करें| वैकल्पिक अनुवाद: ""यन्नेस और यम्ब्रेस, फिरौन के जादूगर""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:8 (#2)

"यन्नेस और यम्ब्रेस ने"

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 3:8 (#3)

"भी"

"जैसा 3:5 में है, **ये** संकेतवाचक विशेषण है जिसका सन्दर्भ उन लोगों से है जो पौलुस द्वारा वर्णित विधर्मी अवगुणों का प्रदर्शन करते हैं| पौलुस इस शब्द को संज्ञा रूप में काम में ले रहा है| यदि आपकी भाषा में विशेषण का प्रयोग इस रूप में नहीं है तो आप अपने अनुवाद में ""मनुष्यों"" शब्द को जोड़ सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ये लोग""

देखें: नाम विशेषण

2 तिमिथियुस 3:8 (#4)

"सत्य का"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **सत्य** में निहित विचार को विशेषण शब्द द्वारा व्यक्त कर सकते हैं|वैकल्पिक अनुवाद: ""जो सच है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 3:8 (#2)

"और जैसे"

2 तिमिथियुस 3:8 (#5)

"तो ऐसे मनुष्य हैं, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य जो खराई से न सोचते हों""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 3:8 (#5)

""

"पौलुस **बुद्धी** शब्द द्वारा इन दुष्ट पुरुषों की मानसिकता का सन्दर्भ देता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""पुरुष जो शुद्ध विचार नहीं रखते हैं""

2 तिमिथियुस 3:8 (#6)

"विश्वास के विषय में निकम्मे हैं"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप यहाँ एक नया वाक्य आरम्भ कर सकते हैं और कह सकते है कि इन मनुष्यों का अनुमोदन कौन नहीं करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर इन मनुष्यों का अनुमोदन नहीं करता है क्योंकि यीशु में इनका विश्वास सच्चा नहीं है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 3:8 (#9)

"विश्वास के विषय में"

यहाँ शब्द **विश्वास** का अर्थ हो सकता है: (1) यीशु में **विश्वास** करना। वैकल्पिक अनुवाद: "उस विश्वास के विषय में जिसका वे होने का दावा करते हैं" (2) जब लोग यीशु में **विश्वास** करते हैं तो वे उनके विषय में क्या मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मसीही मानते हैं, उसके विषय में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:8 (#6)

"विश्वास के विषय में निकम्मे हैं"

"पौलुस **निकम्मे** शब्द के उपयोग द्वारा प्रकट करना चाहता है कि इन पुरुषों को परखा गया है कि वे मसीह में कितना विश्वास करते हैं और उसकी आज्ञा का पालन करने में कैसे हैं| वे सिद्ध नहीं उतरे क्योंकि उनका विश्वास सच्चा नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: "निष्कपट विश्वास से रहित हैं"" या ""उनका विश्वास सच्चा नहीं है""""

2 तिमिथियुस 3:9 (#1)

"पर"

"यह शब्द इस पद में और 3:06 के पूर्वोक्त विचार में विषमता प्रकट करता है कि ये लोग किसी न किसी प्रकार घरों में घुस आते हैं और लोगों को अनुचित बातों में विश्वास करने को विवश करते है| यदि आप इस विषमता को स्पष्ट करने की आवश्यकता समझते हैं तो आप अपने पाठकों को यहाँ पूर्वोक्त विचार स्मरण करा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यद्यपि उनहोंने कुछ लोगों को अनुचित बातों में विश्वास करने के लिए विवश कर दिया है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:9 (#1)

"वे इससे आगे नहीं"

"पौलुस भौतिक गतिविधि के विषय में एक अभिव्यक्ति का उपयोग करता है जिसका अर्थ है कि झूठे शिक्षकों को विश्वासियों के बीच अधिक सफलता नहीं मिलेगी। वैकल्पिक अनुवाद: "वे झूठी शिक्षाओं का प्रसारण करते नहीं रह पाएंगे""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:9 (#3)

"उनकी अज्ञानता"

यदि आपकी भाषा में **अज्ञानता** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कितने मूर्ख हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 3:9 (#4)

"सब मनुष्यों पर"

मूल भाषा में यहाँ सिर्फ "सब" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "सब मनुष्यों" वाक्यांश उपयोग किया गया है। पौलुस विशेषण **सब** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ सभी लोग है। आपकी भाषा में भी विशेषण का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब लोगों पर"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

2 तिमिथियुस 3:9 (#2)

"प्रगट हो गई थी"

"**सब** एक सर्वनिष्ठ शब्द है| पौलुस ने अभी-अभी कहा है कि इन पुरुषो द्वारा कुछ लोगों को बहकाना अधिक सफल नहीं होगा| उनकी मूर्खता का अंततः सर्वत्र प्रकाशन हो जाएगा, जैसा यन्नेस और यम्ब्रेस के साथ हुआ था,वे सार्वजनिक रूप से अयोग्य ठहरे थे जब वे मूसा के सामर्थी चमत्कारों की बराबरी नहीं कर पाए थे| वैकल्पिक अनुवाद: ""उनकी मूर्खता सर्वत्र प्रकट हो जाएगी""

2 तिमिथियुस 3:9 (#3)

"इनकी"

"**वे** शब्द सार्वनामिक विशेषण है जिसका सन्दर्भ यन्नेस और यम्ब्रेस से है| पौलुस इस शब्द को संज्ञा रूप में काम में ले रहा है| यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है तो आप इन दोनों पुरुषों के नाम लिख सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यन्नेस और यम्ब्रेस की""

2 तीमुथियुस 3:9 (#7)

"हो जाएगी"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इन शब्दों को वाक्य के पहले भाग से लेकर जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रगट हो जाएगी"

देखें: पदलोप

2 तीमुथियुस 3:9 (#8)

"हो जाएगी"

यहाँ पौलुस इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि फ़िरौन के जादूगर मूसा का विरोध करने में असफल रहे। वे कुछ चमत्कारों की नकल नहीं कर सके जो मूसा ने किए (देखें निर्ग 8:18–19), और वे अन्य चमत्कारों से प्रभावित हुए जो मूसा ने किए (देखें 9:11)। इस प्रकार, सबने समझ लिया कि वे मूर्ख थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप उस जानकारी को अधिक स्पष्ट कर सकते हैं या जानकारी को एक पाद टिप्पणी में शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब वे मूसा को रोकने में असफल रहे थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 3:10 (#1)

"पर तूने"

यहाँ **पर** शब्द यह दर्शाता है कि तीमुथियुस का व्यवहार झूठे शिक्षकों के व्यवहार से कैसे विपरीत है। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ऐसा कोई शब्द या वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इस प्रकार के विरोधाभास को दर्शाता हो, या आप **पर** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, तूने" या "जहाँ तक तुम्हारी बात है, यद्यपि, तूने"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 3:10 (#1)

"तूने उपदेश"

"पौलुस इस पद में सूचीबद्ध बातों पर अत्यधिक ध्यान देने की बात इस प्रकार करता है जैसे कि जब ये चलें तो किस व्यक्ति को शारीरिक रूप से उनका पीछा करना होगा। विचार यह है कि तीमुथियुस इन बातों पर बहुत ध्यान दे रहा है और उनका अनुकरण कर रहा है| वैकल्पिक अनुवाद: "तू ने अवलोकन किया है"" या "तू ने इस पर बहुत ध्यान दिया है"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:10 (#2)

"उपदेश"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **उपदेश** में निहित विचार को सम्बन्धवाचक उक्ति द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो मैंने मनुष्यों को करने के लिए सिखाया""

2 तीमुथियुस 3:11 (#1)

"ऐसे"

यहाँ **ऐसे** शब्द का सन्दर्भ हो सकता है: (1) केवल उन **दुःखों** से। वैकल्पिक अनुवाद: "दुःख, जैसे कि वे जो" (2) **दुःखों** और **उत्पीड़नों** दोनों से। वैकल्पिक अनुवाद: "दुःख और उत्पीड़न, जैसे कि वे जो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 3:11 (#2)

"ऐसे उत्पीड़नों को सहा"

"पौलुस तीमुथियुस को स्मरण कराता है कि वह पौलुस के नाना प्रकार के कष्टों से और परमेश्वर द्वारा उबारे जाने तक कष्ट सहन करने से अभिज्ञ है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने नाना प्रकार के कष्टों को कैसे सहन किया है"""

2 तीमुथियुस 3:11 (#3)

"मैंने ऐसे उत्पीड़नों को सहा"

यदि आपकी भाषा में **उत्पीड़नों** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे कैसे सताया गया और उसे सहना पड़ा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 3:11 (#4)

"और"

यहाँ शब्द **और** पौलुस जो अनुभव कर रहे थे, उसके विपरीत **प्रभु** ने जो किया उसे प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं, जो विरोधाभास को दर्शाता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और अभी तक" या "परन्तु"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 3:12 (#1)

"मसीह यीशु में भक्ति के जीवन बिताना"

"**भक्ति** शब्द का अर्थ है , परमेश्वर को सम्मानित करने वाली आज्ञाकारी जीवनशैली| वैकल्पिक अनुवाद: ""ईश्वर भक्ति का जीवन जीने के लिए"""

2 तिमिथियुस 3:12 (#2)

"सताए जाएँगे"

"यदि आपकी भाषा में अकर्मक क्रिया रूप नहीं हैं तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए सकर्मक क्रिया का प्रयोग कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्य सताएंगे"""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 3:12 (#3)

"मसीह यीशु में"

यहाँ पौलुस **मसीह यीशु में** स्थानिक रूपक का उपयोग करते हैं ताकि विश्वासियों की **मसीह यीशु** के साथ एकता का वर्णन किया जा सके। इस स्थिति में, **मसीह यीशु में** होना, या **मसीह यीशु** के साथ जुड़ना, यह दर्शाता है कि कैसे विश्वासी **भक्ति के साथ जीवन बिताते हैं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाए कि विश्वासी **मसीह यीशु** के साथ अपनी एकता के कारण इस प्रकार **जीवन बिता** सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के साथ एकता में" या "जितने मसीह यीशु में एक होकर"

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:13 (#1)

"और (परन्तु) दुष्ट"

मूल भाषा में यहाँ "परन्तु" शब्द का प्रयोग किया गया है, जो एक विरोधाभास को दर्शाता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ "और" शब्द का उपयोग किया गया है, जो अधिक जानकारी को जोड़ रहा है। यहाँ **परन्तु** शब्द यह दर्शाता है कि **दुष्ट और बहकानेवालो** के साथ भक्ति से जीवन बितानेवालो के विपरीत क्या होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो विरोधाभास को प्रस्तुत करता हो, या आप **परन्तु** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "यद्यपि," या "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 3:13 (#1)

""

"यहाँ पौलुस **मनुष्य** शब्द का प्रयोग व्यापक रूप में करता है जिसमें स्त्री और पुरुष दोनों समाहित हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""लोग""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

2 तिमिथियुस 3:13 (#2)

"दुष्ट, और बहकानेवाले"

"यह संभवतः दो बातों का एकार्थक प्रयोग है| **दुष्ट और बहकानेवाले** दो अलग-अलग समूहों में नहीं हैं| वे एक ही समूह हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""दुष्ट जन जो यीशु के अनुसरण का स्वांग रचते हैं""

देखें: हेंडियाडिस

2 तिमिथियुस 3:13 (#2)

"बिगड़ते चले जाएँगे"

"पौलुस आलंकारिक भाषा में दुष्ट जनों और उनके चरित्र को इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे वह किसी दिशा विशेष में मंद गति से आगे जाने वाली कोई वस्तु है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अधिकाधिक बुरे होते जाएंगे"" या ""और भी अधिक बुरे हो जाएंगे""

2 तिमिथियुस 3:13 (#3)

"बिगड़ते"

"यह एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""अधिकाधिक बुरे""

देखें: मुहावरा

2 तिमिथियुस 3:13 (#3)

""

"**बहकानेवाले** इस अभिव्यक्ति में एक ऐसे मनुष्य का चित्रण है जो सशरीर उस स्था□□ में ले जाया जा रहा है जिससे वह अनभिज्ञ है| यह किसी को असत्य बात में विश्वास करने के लिए विवश करने के लिए लाक्षणिक प्रयोग है। वैकल्पिक अनुवाद: " झूठी शिक्षा देना और झूठ में विश्वास करना""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:13 (#4)

"धोखा देते हुए, और धोखा खाते हुए"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""झूठ की शिक्षा देना और झूठ पर विश्वास करना""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 3:14 (#1)

"पर तू"

यहाँ **पर** शब्द यह दर्शाता है कि तीमुथियुस को कैसे आचरण करना चाहिए, जो कि झूठे शिक्षकों के आचरण के विपरीत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो विरोधाभास को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि तू" या "जहाँ तक तेरी बात है, भले ही"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 3:14 (#2)

"पर तू इन बातों पर जो तूने सीखी हैं और विश्वास किया था, यह जानकर दृढ़ बना रह; कि तूने उन्हें किन लोगों से सीखा है"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा उपवाक्य उस परिणाम का कारण बताता है, जिसे पहला उपवाक्य वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पर तू जानता है कि तूने किन लोगों से सीखा, क्या सीखा और किन बातों पर विश्वास किया था। इसलिए, उन बातों को सत्य जानकर उसमें दृढ़ बना रह"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 3:14 (#1)

""

पौलुस बाइबल के निर्देशों के लिए ऐसा चित्रण प्रस्तुत करता है कि जैसे वे कोई स्थान हों जिसमें तीमुथियुस वास कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो तूने सीखा है उसे करता रह” या “जो तूने जो सीखा है उस पूर्ण विश्वास करने में बना रह” (See: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-रूपक]])

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 3:14 (#1)

"विश्वास किया था"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""के बारे में निश्चित हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 3:14 (#5)

"कि तूने उन्हें किन लोगों से सीखा है"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य यह कि तीमुथियुस जानते हैं कि ये लोग विश्वासयोग्य हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “की तूने उन्हें जिन लोगों से सीखा है, वे विश्वासयोग्य हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 3:15 (#1)

"बालकपन से"

यदि आपकी भाषा **बालकपन** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तू बालक ही था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 3:15 (#1)

"मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये"

"यदि आपकी भाषा में अधिक सपष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **उद्धार** में निहित विचार को ""उद्धार करना"" क्रिया द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि तेरे उद्धार के निमित्त तू मसीह यीशु पर विश्वास करने का पर्याप्त ज्ञान प्राप्त कर लेगा""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 3:15 (#3)

"जो ... मसीह पर"

यहाँ पौलुस **मसीह पर** स्थानिक रूपक का उपयोग करके विश्वासियों की मसीह के साथ एकता का वर्णन करते हैं। इस स्थिति में, **मसीह पर** होना, या **मसीह** के साथ एक होना, यह समझाता है कि तीमुथियुस कैसे **विश्वास** रख सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि तीमुथियुस **मसीह** के साथ एक हो जाने पर भी **विश्वास** कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो तुझे मसीह यीशु के साथ एकता के द्वारा” या “जो मसीह यीशु के साथ एक किये जाने से आता है”

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 3:16 (#1)

"सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और ... लाभदायक है"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र को अपनी प्रेरणा से रचा और यह ... लाभदायक है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 3:16 (#1)

""

"**परमेश्वर की प्रेरणा से** इस उक्ति में सांस फूकने का चित्रण है जो संकेत देता है कि धर्मशास्त्र परमेश्वर के आत्मा द्वारा सीधा परमेश्वर से लाया गया है। बाईबल में, परमेश्वर का श्वास परमेश्वर के आत्मा का प्रतीक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने सम्पूर्ण धर्मशास्त्र का प्रकाशन किया है| उसके आत्मा ने मनुष्यों को निर्देश दिया कि क्या लिखें""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 3:16 (#1)

"सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र"

"**सम्पूर्ण पवित्र शास्त्र** से पौलुस का अर्थ है, धर्मशास्त्र का हर एक अंश जो उस समय हमारा पुराना नियम था| यदि पुराने नियम की सब पुस्तकों को एक शब्द,**धर्मशास्त्र** द्वारा संदर्भित करना उलझनकारी हो तो आप इसको बहुवचन शब्द में बदल सकते है जैसा यू एस टी में है और क्रियाओं को बहुवचन में रख सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""सब पवित्र लेख"""

2 तिमिथियुस 3:16 (#2)

""

"पौलुस धर्मशास्त्र को **लाभदायक** कहता है तो वह इस विचार को दर्शाता है कि जब तिमुथियुस और अन्य सब विश्वासी जन धर्मशास्त्र को शिक्षण, सुधार, समझाने,और प्रशिक्षण में काम में लेंगे तब वह उन्हें लाभ पहुंचाएगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""इसका उपयोग करके तू लाभ ही उठाएगा"" या ""जब हम इसको काम में लेते हैं तो इसका लाभ सबको मिलता है"""

2 तिमिथियुस 3:16 (#3)

""

"पौलुस तीमुथियुस को निर्देश देता है कि वह धर्मशास्त्र को उचित और अनुचित के ज्ञान के लिए एक मानक मान ले और मनुष्यों को दिखा सके कि वे गलत हैं| यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इस भाववाचक संज्ञा, **समझाने** में निहित विचार को किसी समानार्थक उक्ति द्वारा व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मनुष्यों को दिखाने के लिए कि वे गलत हैं"" या ""हम गलत हों तो हमें दिखाने के लिए"" (See: [[rc://hi/ta/man/translate/figs-abstractnouns]])"

2 तीमुथियुस 3:17 (#1)

"ताकि"

यहाँ **ताकि** शब्द यह परिचय दे सकता है: (1) एक परिणाम, जो इस प्रकार उत्पन्न होता है कि पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और जिस प्रकार से पौलुस ने वर्णन किया है, उन सब में लाभदायक है। वैकल्पिक अनुवाद: "और इसलिए" (2) एक ऐसा उद्देश्य जिसके लिए पवित्रशास्त्र परमेश्वर द्वारा प्रेरित है और उन तरीकों से लाभदायक है जिनका वर्णन पौलुस ने किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तीमुथियुस 3:17 (#2)

"परमेश्वर का जन"

यहाँ पौलुस एक **जन** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **परमेश्वर** की सेवा और उनकी आज्ञाओं का पालन करता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट नहीं है, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह पुरुष जो परमेश्वर की आज्ञा मानता है” या “वह पुरुष जो परमेश्वर की आराधना करता है”

देखें: स्वामित्व

2 तीमुथियुस 3:17 (#3)

"परमेश्वर का जन"

जन शब्द किसी एक विशेष पुरुष को नहीं बल्कि सामान्य रूप से सभी पुरुषों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के जन"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

2 तिमिथियुस 3:17 (#1)

"परमेश्वर जन"

"पौलुस **जन** शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में करता है| इस शब्द में परमेश्वर के सब विश्वासी समाहित हैं,स्त्री हो या पुरुष| निःसंदेह, पौलुस के विचार में तीमुथियुस को स्वयं के लिए भी इसको व्यावहारिक बनाना है| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह व्यक्ति जो पेमेश्वर की सेवा करता है""

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

2 तिमिथियुस 3:17 (#2)

"सिद्ध" - "तत्पर हो जाए"

समर्थ और साधन सम्पन्न

2 तिमिथियुस 3:17 (#1)

"तत्पर हो जाए"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""और उसके पास आवश्यकता कि प्रत्येक वस्तु है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 4:1 (#3)

""

"यहाँ जिस शब्द का अनुवाद ""**आदेश** किया गया है उसके द्वारा मनुष्य को गंभीर एवं बंधक दायित्व में रखा जाता है| आपकी भाषा में इस प्रयोजन के निमित्त काम में आने वाले शब्दों को स्मृति में लाइए| यहाँ इसका अर्थ हो सकता है, (1) किसी को शपथ के अधीन करके काम करवाना| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तुझे शपथ दिलाता हूँ"" या ""मैं एतद्वारा तुझे विवश करता हूँ"" या ""(2) किसी को महान अधिकार से गंभीर आज्ञा देना| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं तेरे निमित्त गंभीरता से आग्रह करता हूँ"""

2 तिमिथियुस 4:1 (#1)

"जो जीवितों और मरे हुओं का"

"**जीवतों** और **मरे हुओं**, ये शब्द विशेषण हैं जिनको पौलुस संज्ञा रूप में काम में ले रहा है जो मनुष्यों के समूहों के सन्दर्भ में है| यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग इस प्रकार नहीं किया जाता है तो आप इनका अनुवाद समानार्थक उक्तिओं में कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""जो अभी तक जीवित हैं और जो मर चुके हैं""

देखें: नाम विशेषण

2 तीमुथियुस 4:1 (#3)

"और उसके प्रगट होने"

बहुत से प्राचीन हस्तलिपियों में **और उसके प्रगट होने** पढ़ा जाता है। आई.आर.वि. उसी पाठ का अनुसरण करती है।

अन्य प्राचीन हस्तलिपियों में "उसके प्रगट होने के अनुसार" पढ़ा जाता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वि. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

2 तिमिथियुस 4:1 (#5)

""

"पौलुस मसीह के पुनः आगमन का सन्दर्भ लाक्षणिक रूप में देता है जिसमें तथ्य यह है कि जब वह दूसरी बार आएगा तब वह पृथ्वी पर लोगों को दिखाई देगा और वह मसीह के राज्य में मसीह के राजा होने को भी लाक्षणिक रूप में व्यक्त करता है जो उसके द्वारा शासित राज्य के परिप्रेक्ष्य में है| यहाँ एक नए वाक्य का आरम्भ सहायक सिद्ध होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""मसीह के पुनः आगमन और राजा होकर उसके राज करने पर""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 4:2 (#1)

"वचन का"

पौलुस **वचन** शब्द के उपयोग द्वारा मसीह यीशु के सम्पूर्ण सन्देश का सन्दर्भ आलंकारिक भाषा में देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "शुभ सन्देश"

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 4:2 (#2)

"तैयार रह"

यहाँ पौलुस ऐसा कहते हैं जैसे तीमुथियुस को किसी बात के लिये **तैयार रहना** चाहिए। उनका यह अर्थ हो सकता है कि तीमुथियुस: (1) सुसमाचार का प्रचार करने के लिये तैयार या तत्पर रहें। वैकल्पिक अनुवाद: "तत्पर रह" (2) सुसमाचार प्रचार में निरन्तर लगे रहना चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "लगा रह"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:2 (#2)

""

"पौलुस के कहने का तात्पर्य है कि तीमुथियुस को प्रचार करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए, समय अनुकूल हो तब भी और समय प्रतिकूल हो तब भी| वह दोनों परिस्थितियों को अलंकार रूप में काम में ले रहा है कि समय की पूर्णता प्रकट करे| वैकल्पिक अनुवाद: “चाहे समय सुविधाजनक हो या असुविधाजनक हो”

देखें: विराम बिंदु

2 तिमिथियुस 4:2 (#2)

"सब प्रकार की सहनशीलता, शिक्षा के साथ" - "और"

"**सहनशीलता और शिक्षा** एकार्थक भाव में प्रयोग किए गए हैं| **सहनशीलता शिक्षा** के गुण को उन्नत करती है| वैकल्पिक अनुवाद: ""उन बातों को धीरज के साथ शिक्षा देते हुए पूरा कर"" या ""धीरज के साथ शिक्षा देते हुए इन बातों को सदैव किया कर""

देखें: हेंडियाडिस

2 तिमिथियुस 4:2 (#3)

"सब प्रकार की सहनशीलता, शिक्षा के साथ" - "और"

"इसका अभिप्रेत अर्थ है कि तीमुथियुस शिक्षा दे, उलाहना दे, डांटे, और समझाए| यदि आपके पाठकों के लिए सहायक सिद्ध हो तो आप इसको सुव्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""यह सब काम बड़ी सहनशीलता के साथ कर "" या ""इन सब कामों को धीरज धरकर शिक्षा देते हुए किया कर""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 4:3 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** शब्द उन आज्ञाओं के लिये एक आधार प्रस्तुत करता है जो पौलुस ने पिछले वचन में दिए थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो आज्ञा के लिये एक आधार प्रस्तुत करता है, या आप **क्योंकि** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं उन बातों की आज्ञा इसलिए देता हूँ, क्योंकि:” या “मैं तुझसे आग्रह करता हूँ कि तू उन बातों को करें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 4:3 (#1)

"क्योंकि ऐसा समय कि"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""ऐसा समय आएगा जब"""

2 तिमिथियुस 4:3 (#2)

"सह सकेंगे"

"यहाँ प्रसंग से संकेत मिलता है कि **वे** का सन्दर्भ उन लोगों से है जो विश्वासियों के समुदाय का भाग हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""कुछ विश्वासी धीरज धरकर नहीं सुनेंगे""

2 तिमिथियुस 4:3 (#3)

"लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""वे अब धीरज धरकर नहीं सुनेंगे"""

2 तिमिथियुस 4:3 (#4)

"लोग खरा उपदेश"

"**खरा उपदेश** का अर्थ है, ""सही शिक्षा"" यथातथ्य कि स्वस्थ मन पहचान लेगा कि सही शिक्षा तर्कसम्मत है।वैकल्पिक अनुवाद: ""सही शिक्षा""

2 तीमुथियुस 4:3 (#6)

"अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे उपदेशक बटोर लेंगे"

यहाँ वाक्यांश **अपनी अभिलाषाओं के अनुसार** संशोधित कर सकता है: (1) वाक्यांश **अपने लिये ... बटोर लेंगे** को। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने लिये बहुत सारे उपदेशक अपनी अभिलाषाओं के अनुसार बटोर लेंगे" (2) शब्द **उपदेशक** को। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने लिए ऐसे उपदेशक बटोर लेंगे जो इन लोगों की अपनी अभिलाषाओं के अनुसार उपदेश देंगे

देखें: सूचना संरचना

2 तिमिथियुस 4:3 (#5)

"अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिये बहुत सारे उपदेशक बटोर लेंगे"

"पौलुस के कहने का अभिप्राय है कि लोग अनेक शिक्षकों को ऐसे एकत्र कर लेंगे जैसे ढेर लगा रहे हों| वे चाहेंगे कि अनेक शिक्षक आएं परन्तु वे उनके ईश्वरपरायण जीवन का मान निर्धारण नहीं करेंगे, न ही उनकी शिक्षा की शुद्धता की चिंता करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने लिए ऐसे अनेक शिक्षक एकत्र कर लेंगे जो उनकी इच्छा के अनुसार शिक्षा दें""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:3 (#6)

""

"जो लोग कुछ सुनने के लिए आतुर हैं उनके लिए पौलुस कहता है कि उनके कानों में खुजली होती है और वह तब ही मिटती है जब उनको अनेक ऐसे शिक्षक मिल जाते हैं जो वही सुनाते हैं जो वे सुनना चाहते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे सुनने के लिए आतुर हैं""

देखें: मुहावरा

2 तिमिथियुस 4:3 (#1)

"कानों की खुजली के कारण"

"पौलुस **कान** शब्द का प्रयोग लाक्षणिक रूप में करता है जिसका अर्थ है, सुनना| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्योंकि वे बड़ी आतुरता से सुनना चाहते हैं""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 4:4 (#1)

""

जो लोग अब ध्यान नहीं दे रहे हैं उनका चित्रण करते हुए पौलुस कहता है कि उन लोगों ने अपने कानों को शारीरिक रूप से पलट दिया है जिससे कि वे सुन न पाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सत्य पर अब और ध्यान नहीं देंगे"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:4 (#1)

"अपने कान सत्य से फेरकर"

"पौलुस **कान** को लाक्षणिक भाषा में सुनने के लिए प्रयोग करता है और लाक्षणिक भाषा में सुनने का अभिप्राय है, ध्यान देना| वैकल्पिक अनुवाद: ""सत्य पर अब ध्यान नहीं देंगे""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 4:4 (#3)

"सत्य"

यदि आपकी भाषा में **सत्य** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सही उपदेश"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:4 (#2)

"कथा-कहानियों" - "लगाएँगे"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सकता है तो आप इसको कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं और काम के करने वाले को दर्शा सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""ये शिक्षक उनका ध्यान कहानियों पर लगवाएंगे, कहानियाँ जो सच नहीं हैं""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 4:4 (#2)

""

"कपोलकल्पित कथाओं के सुनने वालों के लिए पौलुस कहता है कि यह तो ऐसा है कि कोई उनको अनुचित दिशा में पथभ्रष्ट कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे शिक्षक उनका ध्यान उन कहानियों की और आकर्षित करेंगे जो सच्ची नहीं हैं""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 4:4 (#6)

"कथा-कहानियों"

शब्द **कथा-कहानियों** एक विशेष प्रकार की कहानी को दर्शाता है जिसे सामान्यतः अविश्वसनीय माना जाता है। इस प्रकार की कहानी प्रायः इस विषय में होती है कि बहुत समय पहले महत्वपूर्ण लोगों ने क्या किया था। प्रायः किसी संस्कृति

में बहुत से लोग इन कहानियों को जानते हैं, परन्तु उन्हें भरोसेमन्द ऐतिहासिक विवरण नहीं मानते। यदि आपके पाठक इस प्रकार की कहानी से परिचित नहीं होंगे, तो आप अपने क्षेत्र में किसी समान नाम का उपयोग कर सकते हैं या आप एक अधिक सामान्य शब्द का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "काल्पनिक कथाएँ" या "परम्परागत कहानियाँ"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

2 तीमुथियुस 4:5 (#1)

"पर तू"

यहाँ **पर** शब्द यह दर्शाता है कि तीमुथियुस का आचरण उन लोगों के आचरण से कैसे विपरीत होना चाहिए जिनका वह वर्णन कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इस प्रकार के विरोधाभास को प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, तू" या "हालाँकि, जहाँ तक तेरी बात है,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 4:5 (#1)

"सावधान रह"

पौलुस अपने पाठकों से चाहता है कि वे सभी बातों के विषय में उचित चिंतन करें, अतः वह इस प्रकार कहता है कि जैसे वे होश में रहें नशे में नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: “स्पष्ट सोचो”

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 4:5 (#3)

"सब बातों में"

वैकल्पिक अनुवाद: "हर परिस्थिति में" या "हर बात में"

2 तीमुथियुस 4:5 (#4)

"दुःख उठा"

यदि आपकी भाषा में **दुःख** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तेरे साथ बुरी बातें होने वाली हों, तो उन्हें अनुभव करने के लिये तैयार रह" या "पीड़ा सहने के लिये तैयार रह"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:5 (#2)

"सुसमाचार प्रचार का काम"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""उस मनुष्य का जो यीशु के बारे में शुभ सन्देश सुनाता है"""

2 तीमुथियुस 4:5 (#6)

"अपनी सेवा को पूरा कर"

यदि आपकी भाषा में **सेवा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर तरह से सेवा कर जैसा तुझे करना चाहिए" या "हर तरह से सेवा कर जैसा तुझसे अपेक्षा की जाती है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:6 (#1)

"अब मैं" - **"उण्डेला"**

"पौलुस अपने मृत्यु को **हो गई** दर्शाता है तो उसके कहने का अर्थ है कि ऐसी घटना अति शीघ्र होगी| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं शीघ्र ही उंढेल दिया जाऊँगा"""

2 तिमिथियुस 4:6 (#1)

"अब मैं" - **"उण्डेला"**

"पौलुस अपने लिए कहता है कि वह एक प्रकार से कटोरे में दाखमधु है जिसको परमेश्वर के सामने बलिदान के रूप में उंडेला जा रहा था| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर के लिए मेरे जीवन का बलिदान शीघ्र पूरा हो जाएगा""।

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:6 (#2)

"अब मैं" - **"उण्डेला"**

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप इसको कर्तृवाच्य रूप में व्यक्त कर सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरा जीवन परमेश्वर के निमित्त बलि के रूप में शीघ्र ही अंत होगा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तिमिथियुस 4:6 (#2)

""

"पौलुस अपनी मृत्यु को **कूच** करना कहता है| यह किसी अशुभ बात को कहने की विनम्र रीति है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं शीघ्र ही मर जाऊँगा और इस संसार को छोड़ दूँगा"

देखें: शिष्टता

2 तिमिथियुस 4:7 (#1)

"मैं अच्छी कुश्ती"

"पौलुस आलंकारिक भाषा में स्वयं को एक खिलाड़ी कहता है जो खेल प्रतियोगिता में भाग ले रहा है| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) **अच्छी** शब्द द्वारा पौलुस के प्रयासों का वर्णन हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है"" (2) **अच्छी** शब्द का अर्थ हो सकता है, कि पौलुस ने एक सार्थक लक्ष्य का पीछा किया है|वैकल्पिक अनुवाद: ""जो वास्तव में अर्थपूर्ण है,मैंने उसके लिए कठोर परिश्रम किया है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 4:7 (#2)

"अच्छी कुश्ती"

यहाँ **अच्छी कुश्ती** वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) कि **कुश्ती** उचित या सच्चा है। वैकल्पिक अनुवाद: "सच्ची कुश्ती" या "सही कुश्ती" (2) कि कोई व्यक्ति अच्छी तरह से कुश्ती लड़ रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "कुश्ती अच्छी तरह लड़ी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 4:7 (#2)

"मैंने दौड़" - **"की"**

पौलुस परमेश्वर की सेवा के उसके जीवन के विषय इस प्रकार कहता है जैसे कि वह पैदल दौड़ रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे करना था उसे मैंने पूरा किया है"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:7 (#3)

"मैंने विश्वास" - **"की"**

"पौलुस **विश्वास** की चर्चा करता है जिससे उसका तात्पर्य है,मसीह में उसका भरोसा और उसके द्वारा परमेश्वर का आज्ञापालन उसके लिए ऐसे हैं जैसे बहुमूल्य वस्तुएं जिनको उसने अपनी धरोहर स्वरुप सुरक्षित रखा है| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) पौलुस परमेश्वर प्रदत्त उत्तरदायित्व को निभाने में निष्ठावान रहा| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं अपनी सेवा में निष्ठावान रहा हूँ"" (2) पौलुस सत्य की शिक्षा देने में निष्ठावान था। वैकल्पिक अनुवाद: ""मैंने शिक्षाओं को हर प्रकार की त्रुटि से सुरक्षित रखा है""

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 4:7 (#5)

"मैंने विश्वास की रखवाली की है"

यहाँ **विश्वास** शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) यीशु में **विश्वास** रखने का कार्य। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने विश्वास की रखवाली की है जो मेरे पास है" (2) कि जब मसीही लोग यीशु पर **विश्वास** करते हैं, तो वे उसके बारे में क्या विश्वास करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने वह रखवाली की है जिस पर मसीही विश्वास करते हैं" (3) विश्वासयोग्य बने रहने का कार्य। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं विश्वासयोग्य बना रहा हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 4:7 (#6)

"विश्वास"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद पिछले टिप्पणी में चुने गए विकल्प के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उस मार्ग की रखवाली की है जिसमें मैं यीशु पर विश्वास करता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 4:8 (#1)

"भविष्य में (अब से)"

मूल भाषा में यहाँ वाक्यांश "**अब से**" का प्रयोग किया गया है, जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ वाक्यांश "भविष्य में" का उपयोग किया गया है। यहाँ **अब से** अनुवादित शब्द का परिचय दिया जा सकता है: (1) कुछ ऐसा जो उस क्षण से सही हो और भविष्य में भी जारी रहे। वैकल्पिक अनुवाद: "अब और भविष्य में" या "इसके बाद" (2) अन्तिम बात जो पौलुस कहना चाहते हैं कि उन्होंने अपना जीवन कैसे जिया है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 4:8 (#1)

""

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया नहीं हैं तो आप कर्तृवाच्य क्रिया में इसी विचार को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मेरे लिए धार्मिकता का मुकुट सुरक्षित रखा है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 4:8 (#3)

"धार्मिकता का वह मुकुट"

यहाँ पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग उस **मुकुट** का वर्णन करने के लिये कर रहे हैं जो हो सकता है: (1) उनकी **धार्मिकता** के लिये प्रतिफल हो। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी को दिया गया मुकुट" या "धार्मिकता के कारण प्राप्त किया गया मुकुट" (2) स्वयं **धार्मिकता**। इस स्थिति में, परमेश्वर लोगों को धर्मी घोषित करके उन्हें प्रतिफल देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मुकुट जो धार्मिकता है"

देखें: स्वामित्व

2 तिमिथियुस 4:8 (#2)

"धार्मिकता वह मुकुट"

"इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) **मुकुट** एक लाक्षणिक प्रयोग है जिसका अर्थ है, वह पुरस्कार जो परमेश्वर उन लोगों को देता है जिन्होंने धर्मी जीवन जिया है| वैकल्पिक अनुवाद: ""धर्मी मनुष्यों के लिए प्रतिफल"" (2) मुकुट धार्मिकता का प्रतीक हो सकता है। जिस प्रकार दौड़ प्रतयोगिता का न्यायाध्यक्ष विजेता को मुकुट देता है, उसी प्रकार जब पौलुस का जीवन समाप्त होगा, तो परमेश्वर यह घोषणा करेगा कि पौलुस धर्मी है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह प्रतिफल जो धार्मिकता है""

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:8 (#4)

"में" - "उस दिन"

"जैसा 1:12, में है इसका सन्दर्भ उस **दिन** से है जिस दिन यीशु मनुष्यों का न्याय करने को पुनः आएगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""न्याय के दिन""

2 तीमुथियुस 4:8 (#6)

"और मुझे ही नहीं, वरन् उन सब को भी"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिये आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप ये शब्द वाक्य के पहले भाग से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह इसे केवल मुझे ही नहीं देंगे, वरन् वह इसे उन सब को भी देंगे"

देखें: पदलोप

2 तिमिथियुस 4:8 (#5)

"वरन् उन सब को जो उसके प्रगट होने को प्रिय"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""जो उसके पुनः आगमन की बाट जाहते हैं"""

देखें: पूर्वसूचक भूतकाल

2 तिमिथियुस 4:8 (#1)

"जो उसके प्रगट होने"

"देखें कि आप ने इसका अनुवाद 4:1 में कैसे किया है| पौलुस उस तथ्य के आधार पर मसीह के पुनः आगमन को आलंकारिक भाषा में व्यक्त करता है जिसके अनुसार जब मसीह आएगा तो वह पृथ्वी के निवासियों को दिखाई देगा

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 4:9 (#2)

""

"वैकल्पिक अनुवाद: ""जितना शीघ्र हो सके ... आ"""

2 तीमुथियुस 4:9 (#2)

"आने का"

ऐसे सन्दर्भ में, आपकी भाषा **आना** के बदले "जाना" कह सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "जाने का"

देखें: जाएँ और आएँ

2 तीमुथियुस 4:10 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** शब्द एक कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस क्यों चाहते हैं कि तीमुथियुस उनके पास आएँ। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो आज्ञा के लिये एक कारण या आधार प्रस्तुत करता हो, या आप **क्योंकि** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसके लिये मैं विनती करता हूँ क्योंकि” या “चूँकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 4:10 (#1)

""

ये पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 4:10 (#2)

""

"**संसार** यहाँ परमेश्वर की बातों के विरोध में सांसारिक बातों को संदर्भित करता है। पौलुस इन सांसारिक बातों को जिनकी मनुष्य सामान्यतः लालसा करता है, आलंकारिक भाषा में वर्तमान समय कहता है, जबकि यह सब उस भावी समय की विरोधी हैं जब परमेश्वर की बातें सम्पूर्ण पृथ्वी पर स्थापित की जाएँगी| वैकल्पिकनुवाद: ""इस संसार की अस्थायी सुविधाएं""

देखें: प्रतिन्यास

2 तीमुथियुस 4:10 (#4)

"गया है"

ऐसे सन्दर्भ में, आपकी भाषा **गया** के बदले "आया" कह सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "आया है"

देखें: जाएँ और आएँ

2 तिमिथियुस 4:10 (#3)

""

"यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देता है जिनकी अनेक भाषाओं में वाक्य पूर्ती के लिए आवश्यकता होती है| उसके कहने का अर्थ था कि देमास, क्रेसकेंस, और तीतुस उसको छोड़ कर चले गए हैं| तथापि वह यह नहीं कह रहा है कि वे भी देमास के सदृश्य ""इस संसार के मोह में"" हैं| अति संभव है कि वे कलीसियाओं की सहायता हेतु यात्रा में थे| वैकल्पिक अनुवाद: ""क्रेस्केंस मुझे छोड़ कर गलातिया चला गया है और तीतुस मुझे छोड़ कर दलमतिया चला गया है""

2 तिमिथियुस 4:10 (#4)

"दलमतिया"

"ये सब रोमी साम्राज्य के स्थानों के नाम है। **गलातिया** एक सरकारी रोमी प्रान्त था और **दलमतिया** इल्लुरिकुम प्रान्त के दक्षिण में एक क्षेत्र था|

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 4:11 (#1)

""

"इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1) मरकुस पौलुस की निजि आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए **काम का** हो सकता था| वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मेरी आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु सहायता कर सकता है"" (2) मनुष्यों के मध्य पौलुस के प्रचार में मरकुस शिक्षा देने और सुसमाचार सुनाने में **काम का** हो सकता था। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह मेरे सेवा कार्य में सहायाक होगा"""

2 तीमुथियुस 4:11 (#2)

"सेवा के लिये"

यदि आपकी भाषा में **सेवा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद पिछले वचन में चुने गए विकल्प के साथ मेल खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: “दूसरों की सेवा करने के लिये” या “लोगों की सेवा करने के लिये”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तीमुथियुस 4:12 (#1)

"(परन्तु) तुखिकुस को"

मूल भाषा में यहाँ शब्द "**परन्तु**" का प्रयोग किया गया है, जो शब्द या वाक्यांश को जोड़ता है। जबकि हिन्दी आई.आर.वि. बाइबल में यहाँ इस शब्द को छोड़ दिया गया है। यहाँ **परन्तु** अगली बात का परिचय देता है जिसके विषय में पौलुस लिखना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक ऐसा शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो अगले विचार का परिचय देता है, या आप **परन्तु** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अब”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

2 तिमिथियुस 4:12 (#2)

"मैंने"

"तीमुथियुस को जब यह पत्र मिलता है तब वह इफिसुस में है| संभव है कि तुखिकुस इस पत्र का वाहक है, इस पत्र को लेकर वही तीमुथियुस के पास इफिसुस गया होगा| यदि ऐसा है तो पौलुस तीमुथियुस के दृष्टिकोण से लिख रहा है जो पौलुस द्वारा तुखिकुस के भेजे जाने को पूर्वकालिक घटना मानेगा| यदि आपकी भाषा में यह उलझन उत्पन्न करे और आप इस संभावना को समाहित करना चाहें तो आवश्यक हो सकता है कि आप क्रिया को भविष्यतकाल में रखें| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं शीघ्र ही भेज रहा होऊँगा"""

2 तिमिथियुस 4:13 (#1)

"जो बागा"

"**बागा** का सन्दर्भ उस भारी ऊपरी वस्त्र से है जो कपड़ों के ऊपर पहना जाता था| वैकल्पिक अनुवाद: ""चोगा"""

2 तिमिथियुस 4:13 (#2)

"करपुस"

यह एक पुरुष का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तीमुथियुस 4:13 (#3)

"आए"

ऐसे सन्दर्भ में, आपकी भाषा में **आए** के बजाय “जाए” कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जाए"

देखें: जाएँ और आएँ

2 तीमुथियुस 4:13 (#4)

"विशेष करके चर्मपत्रों को"

यहाँ **विशेष करके चर्मपत्रों** का संकेत हो सकता है: (1) कि कुछ **पुस्तकें** पौलुस के लिये विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिसमें से मुझे विशेष रूप से चर्मपत्र चाहिए” (2) कि पौलुस को जो **पुस्तकें** चाहिए, वे **चर्मपत्र** हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्थात, चर्मपत्रों को”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 4:13 (#4)

"विशेष करके चर्मपत्रों को"

चर्मपत्र किसी विशेष कुंडली ग्रन्थ के सन्दर्भ में हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “विशेष करके वे जो चमड़े से बनाए गए हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 4:14 (#1)

""

"**ठठेरा** उस मनुष्य के सन्दर्भ में है जो ताम्बे या अन्य धातुओं का काम करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सिकंदर जो धातु का काम करता है""

2 तिमिथियुस 4:14 (#2)

"सिकन्दर"

यह एक पुरुष का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तीमुथियुस 4:14 (#3)

"मुझसे बहुत बुराइयाँ की हैं"

यहाँ पौलुस का अर्थ है कि सिकन्दर ने उनके साथ बहुत बुराई के काम किए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ओसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे साथ कई बुरे काम किए” या “मेरे साथ कई बुरे काम किए”

देखें: मुहावरा

2 तिमिथियुस 4:14 (#4)

"प्रभु उसे उसके कामों के अनुसार बदला देगा"

पौलुस दण्ड पाने को लाक्षणिक भाषा में ऐसे व्यक्त करता है जैसे कि वह भुगतान हो। वैकल्पिक अनुवाद: “जो उसने किया है उसके लिए प्रभु उसे उचित दण्ड देगा”

देखें: रूपक

2 तीमुथियुस 4:15 (#1)

"आप भी उससे सावधान रहें, क्योंकि उसने हमारे शब्दों का बहुत विरोध किया है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा उपवाक्य उस परिणाम का कारण बताता है जिसका वर्णन पहला उपवाक्य करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उसने हमारे शब्दों का बहुत विरोध किया, आप भी उससे सावधान रहें"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 4:15 (#2)

"उसने हमारी बातों का"

"यहाँ **बातें** उस संदेश के सन्दर्भ में हैं जिसकी शिक्षा पौलुस,तीमुथियुस और उनके सहकर्मी देते थे| वैकल्पिक अनुवाद: ""उस सन्देश का विरोध करते हैं जिसकी हम शिक्षा देते हैं""

देखें: प्रतिन्यास

2 तिमिथियुस 4:16 (#1)

"मेरे पहले प्रत्युत्तर करने के समय में"

"पौलुस इस अभियोग के आरंभिक सत्र का सन्दर्भ दे रहा है| **पहले** शब्द के उपयोग द्वारा वह संकेत दे रहा है कि उसको एक बार और न्यायालय में प्रकट होना होगा| वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरे अभियोग के प्रथम सत्र में"" या ""जब मैं पहली बार न्यायालय में गया था और अपना पक्ष रखा था"""

2 तिमिथियुस 4:16 (#2)

"किसी ने भी मेरा साथ" - "दिया"

"पौलुस तिमुथियुस से कहता है कि उसको पक्षधरों के बिना ही न्यायालय में उपस्थित होना पडा था| वैकल्पिक अनुवाद: ""किसी ने भी मेरी ओर से गवाही नहीं दी थी"""

2 तीमुथियुस 4:16 (#3)

"सब"

पौलुस विशेषण **सब** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ सभी विश्वासियों के लिये है, जो पौलुस के साथ थे। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक

समानार्थी वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ के सब विश्वासियों"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

2 तीमुथियुस 4:16 (#4)

"कि इसका उनको लेखा देना न पड़े"

यहाँ पौलुस का अर्थ है कि वह नहीं चाहते कि उनके साथी विश्वासियों को उनके साथ कचहरी में उपस्थित न होने के लिये दण्डित किया जाए। वह इस रूप का उपयोग परमेश्वर से यह प्रार्थना करने के लिये करते हैं कि वह उन्हें त्याग देने के लिये क्षमा कर दे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे उसके लिये दण्डित न हों" या "उन्हें इसके लिये जिम्मेदार न ठहराया जाए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तिमिथियुस 4:16 (#3)

"नहीं" - **"उनको लेखा देना"**

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को प्रकट करने के लिए कर्तृवाच्य क्रिया रूप काम में ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु उनसे इस बात का लेखा न ले” या “मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर उन विश्वासियों को मेरा साथ छोड़ने के लिए दंड न दे""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 4:17 (#1)

"परन्तु"

यहाँ **परन्तु** शब्द यह दर्शाता है कि **प्रभु** ने बाकी विश्वासियों के विपरीत क्या किया (देखें 4:16)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप ऐसे शब्द या वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं, जो विरोधाभास को प्रस्तुत करता हो, या आप **परन्तु** को अनुवादित किए बिना छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत,”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

2 तिमिथियुस 4:17 (#1)

""

पौलुस प्रभु के विषय में इस प्रकार बात कह रहा है कि जैसे वह सशरीर उसके साथ खड़ा था। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु ने मेरी सहायता की”

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:17 (#2)

""

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को प्रकट करने के लिए कर्तृवाच्य क्रिया रूप काम में ले सकते हैं| इसका अर्थ दो में से एक हो सकता है: (1)अपने अभियोद के समय पौलुस उस सन्देश को पूर्णरूपेण समझा सका था जो परमेश्वर ने उसको प्रचार करने के लिए दिया था। वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि मैं प्रभु के सम्पूर्ण सन्देश को सुनाने योग्य हुआ था"" (2) पौलुस इस सम्पूर्ण समय भी परमेश्वर के सन्देश को सुनाने योग्य रहा जबकि उसको मृत्यु की प्रतीक्षा थी| वैकल्पिक अनुवाद: “जिससे कि मैं प्रभु का संदेश अंत तक सुनाने योग्य रहा""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 4:17 (#4)

"मेरे द्वारा पूरा-पूरा प्रचार हो"

यहाँ पौलुस का अर्थ हो सकता है कि **पूरा-पूरा प्रचार** हुआ: (1) क्योंकि वह हर स्थान और उस रीति से सुसमाचार का प्रचार करने में सक्षम थे, जैसा कि परमेश्वर ने उनसे अपेक्षा की थी। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं अपने प्रचार का कार्य पूरा कर सकूँ" या “मैं वह प्रचार पूरा कर सकूँ जिसके लिये मुझे बुलाया गया था” (2) क्योंकि उसने पूरे सुसमाचार के सन्देश का प्रचार किया। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं पूरा सन्देश का प्रचार कर सकूँ” या “मेरे द्वारा पूरा-पूरा प्रचार हो सके”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 4:17 (#5)

"पूरा-पूरा प्रचार हो"

यदि आपकी भाषा में **प्रचार** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुसमाचार पूरी तरह से प्रचारित हो सके”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:17 (#1)

"और सब अन्यजाति सुन ले"

"यहाँ **स** का तात्पर्य हो सकता है: (1) लाक्षणिक व्यापीकरण| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि अधिकाधि अन्यजातियाँ इसे सुन पाएं"" या (2) न्यायालय में उपस्थित सब अन्यजातियों के सन्दर्भ में हो सकता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि वहाँ जितनी भी अन्यजातियां हों सब सुन लें""

देखें: अतिशयोक्ति

2 तिमिथियुस 4:17 (#3)

"सिंह के मुँह छुड़ाया गया"

पौलुस खतरे के विषय आलंकारिक भाषा में इस प्रकार व्यक्त करता है कि जैसे न्यायालय में उपस्थित होने पर शेर उसको फाड़ खाएगा। उसके कहने का तात्पर्य हो सकता है, मृत्यु दंड का देहिक संकट या आत्मिक संकट कि वह यीशु के लिए निर्भय होकर न बोलने की परिक्षा में पड़े या दोनों! अतः उचित तो यही होगा कि आप अपने अनुवाद में दोनों संभावनाओं को रखें। वैकल्पिक अनुवाद: “मुझे बड़े खतरे से बचाया गया था”

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:17 (#2)

"सिंह के मुँह छुड़ाया गया"

"यदि आपकी भाषा में कर्मवाच्य क्रिया रूप नहीं है तो आप इसी विचार को व्यक्त करने के लिए कर्तृवाच्य रूप काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर ने मुझे एक महान संकट से उबार लिया है""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

2 तीमुथियुस 4:18 (#1)

"उसी की महिमा ... होती रहे"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग उनकी महिमा करते रहें”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:18 (#1)

"की" - "युगानुयुग होती रहे"

"यह एक मुहावरा है| वैकल्पिक अनुवाद: ""सदा सर्वदा""

देखें: मुहावरा

2 तीमुथियुस 4:19 (#1)

"नमस्कार"

अपनी संस्कृति की रीति के अनुसार, अपने पत्र के अन्त में पौलुस, तीमुथियुस से कहते हैं कि वह उनकी ओर से उन अन्य लोगों को अभिवादन पहुँचा दे जिन्हें वह और तीमुथियुस दोनों जानते हैं। आपकी भाषा में पत्र में अभिवादन साझा करने का एक विशेष तरीका हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप यहाँ उस रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा स्मरण कराना" या "मेरी शुभकामनाएँ देना"

2 तिमिथियुस 4:19 (#2)

"उनेसिफुरूस"

यह एक पुरुष का नाम है। देखें कि आपने इस नाम का अनुवाद 1:16 में किस प्रकार किया है।

2 तिमिथियुस 4:20 (#1)

""

ये सभी पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 4:20 (#2)

"मीलेतुस"

यह दक्षिणी इफिसुस में एक नगर का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 4:21 (#2)

"चले आने का प्रयत्न कर"

"वैकल्पिक अनुवाद: ""आने का भरसक प्रयास कर"" या ""आने के लिए कठोर से कठोर प्रयास कर"""

2 तिमिथियुस 4:21 (#3)

"जाड़े से पहले"

"कहने का अभिप्राय यह है कि तीमुथियुस को पौलुस के पास शीत ऋतु के आगमन से पूर्व आना होगा क्योंकि शीत ऋतु में यात्रा करना कठिन वरन असंभव हो जाता है| यदि शीत ऋतु आपके क्षेत्र में गर्म और ग्रीष्म ऋतु ठंडी होती है या आपके क्षेत्र में शीत ऋतु नहीं है,वर्षा ऋतु मात्र है तो आप अधिक सामान्य अभिव्यक्ति काम में ले सकते हैं| वैकल्पिक अनुवाद: ""इससे पूर्व कि शीत ऋतु यात्रा को कठिन बनाए"" या ""इससे पूर्व कि ऋतु परिवर्तन यात्रा को कठिन कर दे""

2 तीमुथियुस 4:21 (#3)

"यूबूलुस, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाइयों का तुझे नमस्कार"

जैसा कि उनकी संस्कृति में प्रथा थी, अपने पत्र के अंत के निकट में, पौलुस उन लोगों की ओर से शुभकामनाएं भेजते हैं जो उनके साथ हैं और जिन्हें वह व्यक्ति जानता है जिसे वह लिख रहे हैं, अर्थात तीमुथियुस। आपकी भाषा में पत्र में अभिवादन साझा करने का एक विशेष तरीका हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप यहाँ उस रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यूबूलुस, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाइ अपना स्मरण कराना चाहते हैं" या "यूबूलुस, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाइ अपनी शुभकामनाएँ भेजते हैं"

2 तिमिथियुस 4:21 (#4)

""

"यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ देता है जिनकी आवश्यकता अन्य भाषाओं में वाक्य पूर्ती के लिए होती है| अर्थ को स्पष्ट करना सुनिश्चित करने हेतु आप इन शब्दों को जोड़ सकते हैं| यूबूलुस के बाद जिन लोगों के नाम हैं वे भी तीमुथियुस को शुभ कामनाएं भेज रहे हैं| अकेला यूबूलुस नहीं भेज रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "यूबूलुस तुझे नमस्कार करता है, और पूदेंस, और लीनुस और क्लौदिया, और सब भाई भी तुझे नमस्कार करते हैं""।

2 तिमिथियुस 4:21 (#1)

""

ये तीन पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तिमिथियुस 4:21 (#5)

"क्लौदिया"

यह एक स्त्री का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

2 तीमुथियुस 4:21 (#7)

"भाइयों"

यहाँ पौलुस **भाइयों** उन सभी विश्वासियों के लिये कर रहे हैं जो तीमुथियुस का अभिवादन करना चाहते थे। पौलुस का अर्थ यह नहीं है कि **यूबूलुस**, **पूदेंस**, **लीनुस**, और **क्लौदिया** आपस में **भाई** नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य भाईयों"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

2 तीमुथियुस 4:21 (#8)

"भाइयों"

पौलुस **भाइयों** शब्द का उपयोग उन लोगों के लिये कर रहे हैं जो एक ही विश्वास साझा करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासियों"

देखें: रूपक

2 तिमिथियुस 4:21 (#6)

""

यहाँ **भाइयों** का सन्दर्भ सभी विश्वासियों से है चाहे वे पुरुष हों या स्त्री। वैकल्पिक अनुवाद: “यहाँ के सब विश्वासी”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द महिलाओं को भी शामिल करें

2 तिमिथियुस 4:22 (#1)

""

"पौलुस पत्र के समापन में तीमुथियुस को आशीर्वाद देता है| यहाँ **तेरी** शब्द एक वचन में है और तीमुथियुस के सन्दर्भ में है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु तेरी आत्मा को सामर्थी बनाए""

देखें: 'आप' के रूप

2 तीमुथियुस 4:22 (#2)

"प्रभु"

कई प्राचीन हस्तलिपियों में **प्रभु** लिखा है। आई.आर.वि. उसी पाठ का अनुसरण करता है। अन्य प्राचीन हस्तलिपियों में “प्रभु यीशु मसीह” लिखा है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पठन का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वि. के पठन का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

2 तिमिथियुस 4:22 (#1)

"प्रभु तेरी आत्मा के साथ रहे"

"आलंकारिक भाषा में पौलुस तीमुथियुस के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को **आत्मा** कहता है, संभवतः इसलिए कि वह तीमुथियुस के लिए विशेष करके आत्मिक सामर्थ्य की कामना करता है| वैकल्पिक अनुवाद: ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु तुझे सामर्थी बनाए"" या ""मैं प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु तुझे आत्मिकता में सामर्थ्य प्रदान करे""

देखें: संकेतन

2 तिमिथियुस 4:22 (#2)

"तुम पर अनुग्रह होता रहे"

"यदि आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट हो सके तो आप कह सकते हैं कि पौलुस किसकी इच्छा रखता है कि इसको साकार करे| वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर तुम सब को अनुग्रह प्रदान करे"""

2 तीमुथियुस 4:22 (#5)

"तुम पर अनुग्रह होता रहे"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** के विचार के लिये कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तुम पर कृपा करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

2 तिमिथियुस 4:22 (#2)

""

"पौलुस अपने पत्र के समापन में एक और आशीर्वाद देता है| यहाँ **तुम** शब्द बहुवचन में है और तीमुथियुस के साथ के सब विश्वासियों के सन्दर्भ में है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम सब पर अनुग्रह होता रहे!""

देखें: 'आप' के रूप

2 तीमुथियुस 4:22 (#7)

"तुम"

अंग्रेजी यूएलटी अनुवाद में यह पद **तुम (you)** से समाप्त होती है परन्तु हिंदी आई.आर.वि. अनुवाद में यह पद **होता रहे** से समाप्त होती है। कई प्राचीन हस्तलिपियों में **तुम (you)** लिखा है। आई.आर.वि. उसी पाठ का अनुसरण करता है। अन्य प्राचीन हस्तलिपियों में लिखा है “तुम (you)। आमीन।” यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप आई.आर.वि. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ